RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

11 वर्ष

दैनिक
सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, बुधवार ●03 अप्रैल , 2024 वर्षः-11 अंक - 335 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश के बाद म्यांमार

अंडमान से 55 किलोमीटर दूर बनाया नया सैन्य अड्डा

रंगून (एजेंसी)। बांग्लादेश में चीन की पनडुब्बियों के लिए विशाल नेवल बेस बनाने के खुलासे के बाद अब म्यांमार में एक सैन्य अड्डे ने भारत की टेंशन बढ़ा दी है। ताजा सैटेलाइट तस्वीरों से खुलासा हुआ है कि म्यांमार की सेना ने बंगाल की खाड़ी में अपने कोको द्वीप समूह पर दूसरे सैन्य एयरक्राफ्ट के हैंगर का निर्माण कार्य अब पूरा कर लिया है। इससे म्यांमार की सेना की क्षमता में काफी बढ़ोत्तरी हो गई है जिससे उसके इरादों को लेकर बड़ा सवाल उठने लगा है। इस सैन्य

अड्डे का निर्माण भारत के अंडमान निकोबार द्वीप से मात्र 55 किमी की दूरी पर किया गया है जो नई दिल्ली के लिए मुश्किल बढ़ा सकता है। ऐसी अफवाह है कि इस सैन्य अड्डे को चीन ने बनाया है जहां चीनी खुफिया एजेंसी का अड्डा भी है। हालांकि अभी इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है। म्यांमार की सरकार 1990 के दशक से ही कोको द्वीप पर सैन्य गतिविधि बढ़ा रही है। पिछले साल चैथम हाउस थिंकटैंक की एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ था कि म्यांमार ने 2300 मीटर लंबा रनवे और रेडॉर स्टेशन बनाया है। इसके अलावा दो हैंगर बनाए जा रहे थे। यहां पर नौसैनिकों को रहने के लिए घर भी बनाए गए थे। इस द्वीप पर म्यांमार की सेना सफाई अभियान चला रही है ताकि वहां सैन्य अड्डे का विस्तार हो सके।

आरजीपीवी घोटाले के आरोपियों के खिलाफ जारी होगा लुकआउट

भोपाल। राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्व विद्यालय के सरकारी खाते से 19.48 करोड़ रुपए प्राइवेट अकाउंट में ट्रांसफर किए जाने के मामले की जांच भोपाल पुलिस ने तेज कर दी है। मामले में गिरफ्तारी से बचने अंडरग्राउंड हुए यूनिवर्सिटी के तत्कालीन कुलपति प्रो. सुनील कुमार, तत्कालीन रजिस्ट्रार आरएस राजपूत सहित 3 आरोपियों के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी कराने की कार्यवाही शुरू कर दी है। पुलिस को शक है कि मामले के तीनों आरोपी विदेश जा सकते हैं। इसके चलते लुकआउट नोटिस जारी करने का प्रस्ताव केंद्रीय गृह

मंत्रालय को भेजा है। दूसरी ओर, सोमवार को तत्कालीन कुलपति प्रो. सुनील कुमार ने भोपाल कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दाखिल की है। कोर्ट मंगलवार को अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई करेगी। गांधी नगर पुलिस सूत्रों ने बताया कि मामले में गिरफ्त से बाहर चल रहे यूनिवर्सिटी के तत्कालीन कुलपति डॉ. सुनील कुमार, तत्कालीन रजिस्ट्रार 9 आरएस राजपूत और रिटायर्ड फायनेंस कंट्रोलर की गिरफ्तारी के लिए 3 टीमें बनाई गई हैं। इन टीम ने बीते 29 दिन में 6 बार आरोपियों को पकड़ने अलग-अलग स्थानों पर दबिश दी है लेकिन, आरोपी हर बार पुलिस के पहुंचने से पहले संबंधित स्थान से गायब हो गए। यूनिवर्सिटी के तत्कालीन कुलपति डॉ. सुनील कुमार ने सोमवार को भोपाल कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की है।

पीएम मोदी बोले-तीसरे टर्म में फ्री बिजली का टारगेट

कहा-सरकार की नीयत सही हो तो नतीजे भी सही आते हैं, कांग्रेस लोगों को भड़का रही

रुद्रपुर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को उत्तराखंड के रुद्रपुर में चुनावी सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार तीसरे टर्म में फ्री बिजली देने की योजना बना रही है। हर घर में सोलर बिजली प्लांट लगाने की भी योजना है। उन्होंने कहा, सरकार की नीयत सही हो, तो नतीजे भी सही आते हैं। कांग्रेस के शाही परिवार के शहजादे ने ऐलान किया है कि अगर देश ने तीसरी बार मोदी सरकार को चुना, तो आग लग जाएगी। 60 साल तक देश पर राज करने वाले 10 साल सत्ता से बाहर क्या रह गए, अब देश में आग लगाने की बात कर रहे हैं। ऐसे लोगों को चुन-चुन कर साफ कर दो, ऐसे लोगों को मैदान में मत रहने दो भाइयों। प्रधानमंत्री ने करीब

40 मिनट तक भाषण दिया। उन्होंने कहा, इमरजेंसी की मानसिकता वाली कांग्रेस का भरोसा अब लोकतंत्र पर नहीं बचा है, इसलिए अब वह जनादेश के खिलाफ लोगों को भड़काने में जुट गई है। कांग्रेस, भारत को अस्थिरता की तरफ ले जाना चाहती है, अराजकता में झोंकना चाहती हैं। कांग्रेस, तुष्टिकरण के दल-दल में ऐसा धंस गई है कि कभी देशहित का नहीं सोच सकती है। कांग्रेस ने देश का ऐसा बंटवारा किया कि गुरु नानक जी की पवित्र धरती हमसे छिन गई। दशकों तक हमें अपने गुरु को दूरबीन से देखना पड़ा। अब जाकर बीजेपी सरकार ने करतारपुर राहदारी बनाकर, लोगों की जिंदगी आसान की है। यही कांग्रेस है जो घुसपैठियों को बढ़ावा देती है।

10 साल में जितना विकास हुआ, आज तक नहीं हुआ

पीएम ने कहा- मोदी ने भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक ताकत बनाने की गारंटी दी है। तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक ताकत का मतलब है- लोगों की कमाई बढ़ेगी। नौकरी के अवसर बढ़ेंगे। गांव-शहर में सुविधा बढ़ेगी। हमें उत्तराखंड को विकसित बनाना है। केंद्र सरकार कोई कसर नहीं छोड़ रही। 10 साल में जितना विकास हुआ, आज तक नहीं हुआ। 12 लाख घरों को पानी कनेक्शन दिया। तीन लाख को स्वामित्व योजना का लाभ मिला। पीएम मोदी ने जनसभा में पंडाल के पीछे धूप में रहने वालों से क्षमा मांगी। कहा- पंडाल सोच से छोटा पड़ गया। यह व्यवस्था की कमी है। यह धूप में तपने की तपस्या को विकास कर लौटाऊंगा। पीएम ने कहा- देव भूमि का यह आशीर्वाद मेरी बड़ी ड्यूटी है। पीएम ने कहा- ये चुनावी सभा ऐसे क्षेत्र में हो रही जिसे मिनी इंडिया कहा जाता है।

मैं कहता हूं- भ्रष्टाचार हटाओ... वो कहते हैं- भ्रष्टाचारी बचाओ

पीएम ने कहा- तमिलनाडु के पास एक कच्चाथीवू द्वीप है। वो द्वीप भारत का हिस्सा था, लेकिन कांग्रेस ने उसको श्रीलंका को दे दिया। कांग्रेस, जिसके नेता देश के टुकड़े करने की बात करते हों, जो कच्चाथीवू को दे देते हों, क्या ऐसी कांग्रेस देश की रक्षा कर सकती है। मैं कहता हूं- भ्रष्टाचार हटाओ। वो कहते हैं- भ्रष्टाचारी बचाओ लेकिन, मोदी इनकी गालियों और धमकियों से डरने वाला नहीं है। हर भ्रष्ट पर कार्रवाई जारी रहेगी। तीसरे टर्म की शुरुआत में भ्रष्टाचार पर और तेज प्रहार होगा। मोदी ने कहा, कांग्रेस के शाही परिवार के शहजादे ने ऐलान किया है, अगर देश ने तीसरी बार मोदी सरकार को चुना तो आग लग जाएगी। 60 साल तक देश पर राज करने वाले 10 साल सत्ता से बाहर क्या रह गए, अब देश में आग लगाने की बात कर रहे हैं...ऐसे लोगों को चुन-चुन कर साफ कर दो, ऐसे लोगों को मैदान में मत रहने दो भाइयों। इमरजेंसी की मानसिकता वाली कांग्रेस का भरोसा अब लोकतंत्र पर नहीं बचा है। इसलिए अब वह जनादेश के विरुद्ध लोगों को भड़काने में जुट गई है। पीएम ने कहा कि मोदी की गारंटी यानी पूरा होने की गारंटी है। मोदी की गारंटी ने उत्तराखंड के घर-घर में सुविधा पहुंचाई है। लोगों का स्वाभिमान बढ़ाया है। अब तीसरे टर्म में आपका ये बेटा एक और बड़ा काम करने जा रहा है। आपको 24 घंटे बिजली मिले, बिजली का बिल जीरो हो और बिजली से कमाई भी हो। इसके लिए मोदी ने पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना शुरू की है। मोदी ने कहा- इमरजेंसी की मानसिकता वाली कांग्रेस का भरोसा अब लोकतंत्र पर नहीं बचा है। कांग्रेस भारत को अस्थितरता की ओर ले जाना चाहती है।

एमपी में 46 डिग्री पार पहुंचेगा पारा, जबरदस्त चलेगी हीट वेव

ग्वालियर-चंबल खूब तपेगा, सामान्य से 4 डिग्री ज्यादा रहेगा तापमान

भोपाल। मध्यप्रदेश में अप्रैल के महीने में तेज गर्मी पड़ेगी। सबसे ज्यादा ग्वालियर-चंबल तपेगा। यहां हीट वेव भी चलेगी। आखिरी सप्ताह में ग्वालियर में अधिकतम तापमान 46 डिग्री तक पहुंच सकता है। वहीं, भिंड, दतिया, मुरैना, श्योपुरकलां में पारा 46-47 डिग्री तक रहने का अनुमान है। निवाड़ी, पन्ना, छतरपुर, टीकमगढ़, खरगोन, शिवपुरी में तापमान 45 डिग्री तक रहेगा। आईएमडी, भोपाल की सीनियर वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि अप्रैल में गर्मी पड़ने का ट्रेंड है। इस बार भी तेज गर्मी पड़ेगी। हीट वेव के अलावा कई शहरों में रातें भी गर्म रहेंगी।जिस तरह दिसंबर-जनवरी में सर्दी और जुलाई-अगस्त में सबसे ज्यादा बारिश होती है, उसी तरह गर्मी के दो प्रमुख महीने अप्रैल और मई हैं। मार्च महीने के आखिरी में ही टेम्प्रेचर बढ़ने लगता है। इस बार भी ऐसा ही मिजाज रहा। दमोह, रतलाम समेत कई शहरों में तो तापमान 41-42 डिग्री के पार हो गया। यह सामान्य से 2-3 डिग्री अधिक था। ऐसा ही मिजाज अप्रैल में भी देखने को मिलेगा। ज्यादातर शहरों में सामान्य तापमान 3-4 डिग्री अधिक ही रहेगा। 2 और 5 अप्रैल को उत्तर भारत में दो वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव हो रहे हैं। अमूमन 2 से 3 दिन बाद प्रदेश में इनका असर दिखाई देता है।

हरियाणा में कांग्रेस की भजनलाल परिवार पर दांव की तैयारी

- चंद्रमोहन को हिसार से टिकट संभव, बीजेपी के टिकट काटने से कुलदीप बिश्नोई नाराज

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा में सबसे हॉट सीट मानी जा रही हिसार लोकसभा पर बिश्नोई परिवार की एंट्री हो गई है। कांग्रेस यहां से पूर्व सीएम भजनलाल के बेटे पूर्व डिप्टी सीएम चंद्रमोहन को टिकट देने की तैयारी कर रही है। चंद्रमोहन पंचकूला के कालका से चार बार विधायक रह चुके हैं। इसके अलावा वह हिसार की विधानसभा नलवा से भी 2014 में चुनाव लड़ चुके हैं। इस चुनाव में उन्होंने इनेलो की टिकट से चुनाव लड़े रणबीर गंगवा को कड़ी टक्कर दी थी, हालांकि वह यह चुनाव बहुत कम मार्जिन से हार गए थे। कांग्रेस पार्टी यदि उन्हें यहां से टिकट देती है तो दूसरे दलों के लिए वह मुश्किलें जरूर खड़ी करेंगे। सियासी जानकारों का भी कहना है कि अन्य नेताओं के मुकाबले चंद्रमोहन कांग्रेस प्रत्याशी के लिए बेहतर उम्मीदवार साबित होंगे। चंद्रमोहन अभी ऑल इंडिया कांग्रेस के मेंबर भी हैं। चंद्रमोहन के कांग्रेस पार्टी के द्वारा प्रत्याशी बनाए जाने से भाजपा के लिए मुश्किलें खड़ी हो सकती हैं। इसकी एक वजह यह भी है कि यहां से भाजपा की टिकट के सबसे प्रबल दावेदार कुलदीप बिश्नोई की टिकट काटकर रणजीत सिंह चौटाला को पार्टी ने टिकट दिया है।

इंडी अलायंस भ्रष्टाचार बचाने वालों का जमावड़ा बन गया

भोपाल। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा- पीएम नरेंद्र मोदी ने देश में परिवारवाद की राजनीति को खत्म किया है। हमारी राजनीति सबको साथ लेकर चलने की है। सबका साथ, सबका विकास। कांग्रेसी कहते हैं, बेरोजगारी-महंगाई, बेरोजगारी महंगाई, मैं कहूंगा वे जरूर बेरोजगार हो गए हैं।

- जबलपुर में भाजपा अध्यक्ष नड्डा बोले-कांग्रेसी बेरोजगार हो गए

बता दें कि जेपी नड्डा दो दिन के मध्यप्रदेश दौरे पर हैं। वे मंगलवार सुबह जबलपुर पहुंचे। यहां उन्होंने प्रबुद्धजन सम्मेलन को संबोधित किया। नड्डा ने कहा- पीएम कहते हैं भ्रष्टाचार से समझौता नहीं करेंगे। जड़-मूल से उसको खत्म कर देंगे। ये इंडिया अलायंस भ्रष्टाचार बचाने वालों का जमावड़ा बन गया है। भ्रष्टाचार करने वालों का जमावड़ा बन गया है। इंडिया अलायंस परिवार को बचाने का प्रयास कर रहा है। बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शहडोल में बीजेपी प्रत्याशी हिमाद्री सिंह के पक्ष में सभा को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि पहले की सरकार समाज को बांट कर परिवार के लिए तुष्टिकरण की राजनीति करती थी। पीएम मोदी ने जाति को छोड़कर सबका साथ सबका विकास और विकासवाद की राजनीति शुरू की है।

नहीं मिल रहे दिल, इंडिया गठबंधन में सब कुछ ठीक नहीं!

- केरल सीएम ने वायनाड से राहुल गांधी के चुनाव लड़ने पर उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के लिए बना इंडिया गठबंधन बिखरता नजर आ रहा है। इंडिया गठबंधन में कांग्रेस के साथ लेफ्ट भी शामिल है लेकिन अब केरल सीएम पिनराई विजयन ने राहुल गांधी पर निशाना साधा है। केरल सीएम ने कहा कि सीपीआई की राष्ट्रीय नेता एनी राजा के खिलाफ राहुल गांधी चुनाव लड़ रहे हैं लेकिन बीजेपी से मुकाबला नहीं कर रहे हैं। केरल सीएम पिनराई विजयन ने कोझिकोड में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, राहुल गांधी केरल आकर एनी राजा के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। एनी राजा सीपीआई की राष्ट्रीय नेता हैं। मणिपुर मुद्दे के दौरान भाजपा सरकार के गलत कामों को जोरदार ढंग से उजागर करने के लिए उन्हें राष्ट्र-विरोधी कहा गया। उसमें राहुल गांधी की क्या भूमिका थी। क्या वह इस बारे में कुछ कह सकते हैं।

चित्रकूट में भीषण सड़क हादसा, 7 लोगों की मौत

ओवरटेक करने के चक्कर में हादसा, क्रेन से किया गया रेस्क्यू

चित्रकूट (एजेंसी)। चित्रकूट में मंगलवार सुबह ऑटो और डंपर में आमने-सामने की टक्कर हो गई। हादसे में ऑटो सवार 7 की मौत हो गई, जबकि 1 की हालत गंभीर है। डंपर ड्राइवर मौके से फरार हो गया है। हादसा साढ़े 5 बजे कर्वी मुख्यालय से सटे अमानपुर गांव के पास हाईवे पर हुआ। दरअसल, ऑटो किसी गाड़ी को ओवरटेक कर रहा था, तभी सामने से आ रही डंपर से टकरा गया। दोनों की रफ्तार काफी तेज थी। हादसे के बाद ऑटो पिचक गया। कुछ लोग गाड़ी में फंस गए, तो कुछ छिटक कर हाईवे पर गिर गए। सभी खून से लथपथ थे। मौके पर राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने हाईवे पर पड़े लोगों को अस्पताल भेजा। जबकि ऑटो में फंसे लोगों को क्रेन की मदद से निकाला गया। इस दौरान मौके पर ही 3 की मौत हो गई। जबकि 4 ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ा। लोगों ने बताया कि मंगलवार सुबह ट्रेन से कुछ श्रद्धालु कर्वी रेलवे स्टेशन पर उतरे। इसके बाद वह ऑटो से चित्रकूट जा रहे थे। ऑटो में ड्राइवर समेत 8 लोग सवार थे। मृतकों में एक युवती समेत 7 लोग हैं। मृतकों में तीन लोग अखिलेश (30) और अनिरुद्ध (22), अतर सिंह (50) कन्नौज के रहने वाले थे।

वहीं दो लोग युवती निधि सोनी (19) और उसका भाई धर्मेंद्र सोनी (30) हमीरपुर की रहने वाले थे। वहीं ऑटो ड्राइवर निर्भय निवासी चित्रकूट और अहमदगंज निवासी प्रेमलाल का 17 वर्षीय बेटे सूरज की इलाज के दौरान मौत हो गई है। एसपी चक्रपाणि त्रिपाठी ने बताया, घायलों में सुमित शामिल है। हादसे के बाद ट्रक को छोड़कर चालक भाग गया है। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

रेलवे का तोहफा

अब देश में गरीबों की भी होगी शाही सवारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। गरीब रथ एक्सप्रेस की सूरत बदलने वाली है। सस्ते में ही गरीबों को एसी क्लास में सफर कराने के लिए तत्कालीन रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव ने साल 2006 में गरीब रथ एक्सप्रेस की शुरुआत की थी। अब इस ट्रेन में अत्याधुनिक जर्मन टेक्नोलोजी वाले एलएचबी कोच लगाने की तैयारी हो रही है। गरीबों को भी सस्ते में एसी क्लास में सफर कराने वाली ट्रेन है गरीब रथ एक्सप्रेस। गरीब रथ की शुरुआत तत्कालीन रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव ने साल 2006 में की थी। इसी ट्रेन में अब अत्याधुनिक जर्मन तकनीक वाले एलएचबी डिब्बे लगाने की तैयारी है। जी हां, रेल मंत्रालय ने इसमें एसी 3 इकोनॉमी कोच लगाने का फैसला किया है। एलएचबी प्लेटफार्म पर बने इन कोचों में 80 बर्थ की व्यवस्था है। गरीब रथ में इस समय आईसीएफ कोच लगे हैं।

- जर्मन तकनीक वाले डिब्बे से गरीब रथ एक्सप्रेस चलाने की तैयारी

स्टील से बने इन डिब्बों की उम्र करीब 20 साल होती है। गरीब रथ एक्सप्रेस ट्रेनों की शुरुआत साल 2006 से हुई थी। मतलब कि इन डिब्बों को बदलने का वक्त आ गया है। इसलिए रेलवे बोर्ड ने निर्णय लिया है कि गरीब रथ ट्रेन में अब एलएचबी प्लेटफार्म पर बने एसी 3 इकोनॉमी डिब्बों को लगाया जाए। उल्लेखनीय है कि इस समय देश भर में 26 गरीब रथ ट्रेनें चल रही हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पहले चरण में 9 गरीब रथ ट्रेनों के डिब्बों को बदले जाएंगे। रेलवे बोर्ड ने कहा है कि इसके लिए 50 एसी 3 इकोनॉमी कोच पूर्वोत्तर रेलवे और 50 नए कोच उत्तर-पश्चिम रेलवे को मुहैया कराने के निर्देश दिए गए हैं। जैसे जैसे नए कोच मिलते जाएंगे, गरीब रथ एक्सप्रेस से पुराने डिब्बों की विदाई होती जाएगी। यहां सवाल उठता है कि जब गरीब रथ में नए एलएचबी कोच लगाए जाएंगे तो क्या इस ट्रेन का किराया बढ़ जाएगा। इसके जवाब में रेलवे बोर्ड के अधिकारी बताते हैं कि गरीब रथ एक्सप्रेस के कोच के बदलने के बाद भी पुराने दरों से ही किराया वसूला जाएगा। इस ट्रेन के किराये में किसी तरह का कोई बदलाव नहीं होगा। गरीब रथ एक्सप्रेस के डिब्बों को जब डिजाइन किया गया था, उस समय रेल मंत्रालय का जोर किराया कम रखने पर था। इसलिए इसमें ज्यादा से ज्यादा बर्थ लगाने की कोशिश की गई थी। इसी चक्कर में साइड बर्थ में एक मिडिल बर्थ की व्यवस्था की गई थी। इस मिडिल बर्थ का यात्रियों ने खूब विरोध किया था।

प्रदेश पाती

दैनिक सद्भावना पाती

इंदौर, बुधवार 03 अप्रैल, 2024

संक्षिप्त समाचार

जिला प्रशासन ने सतर्कता बरतते हुए पुल पर उभरे हुए गड्ढे की मरम्मत कराई

विदिशा (निप्र)। विदिशा के कुआंखेड़ी के समीप नेवन नदी के पुल पर रविवार को एक गड्ढा उभर आने की सूचनाएं जैसे ही जिला प्रशासन को मिली तो जिला प्रशासन द्वारा सतर्कता बरतते हुए उक्त गड्ढे के कारण कोई भी वाहन चालक दुर्घटना का शिकार ना होने पाए इस हेतु गड्ढे को भरने के कार्यों का संपादन किया गया है। कुआंखेड़ी के समीप बने नेवन नदी के पुल पर गड्ढा हो जाने के चलते रात्रि के समय दुर्घटनाएं होने की संभावनाएं बन गई थीं। जिसको दृष्टिगत रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए एक टीम को भेजकर गड्ढे के इर्द-गिर्द बेरीकट्स लगाए गए और मरम्मत कार्यों के पुख्ता प्रबंध सुनिश्चित किए गए ताकि कोई भी वाहन चालक गड्ढे के कारण दुर्घटना का शिकार ना होने पाए आज सोमवार को पुल पर उभरे हुए उक्त गड्ढे को रेत गिट्टी और सीमेंट से भरने का कार्य पूर्ण हो गया है। वर्तमान स्थिति में पुल पर से यातायात में कोई बाधा नहीं है। वाहन चालक सुगमता से पुल से आवाजाही कर सकते हैं।

अप्रैल माह के पहले कार्य दिवस की शुरूआत वंदेमातरम् गायन से हुई

हरदा (निप्र)। शासन के निर्देश अनुसार हर माह के पहले कार्य दिवस की शुरूआत सभी शासकीय कार्यालयों में राष्ट्रगीत ''वंदेमातरम्'' गायन के साथ होती है। इसी क्रम में सोमवार को कलेक्ट्रेट परिसर में अपर कलेक्टर डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट स्थित कार्यालयों के अधिकारी कर्मचारियों ने राष्ट्रगीत ''वन्देमातरम्'' व राष्ट्रगान ''जन गण मन'' का गायन किया। इस दौरान डिप्टी कलेक्टर श्री संजीव नागू सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी भी मौजूद थे।

लू (तापघात) के प्रकोप से बचाव हेतु सुझाव, स्वास्थ्य विभाग ने जारी की एडवाइजरी

इंदौर। इंदौर जिले में बढ़ते हुए तापमान को देखते हुये लू (तापघात) के प्रकोप से बचाव हेतु एडवाइजरी जारी की गई है। लू (तापघात) से बचाव हेतु नागरिकों से अपील की गई है कि लू (तापघात) के प्रकोप से बचाव एवं उपचार के लिए जारी एडवाइजरी में दिये गये सुझावों का पालन करें। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी.एस. सैत्या ने नागरिकों से कहा है कि लू (तापघात) के लक्षण दिखाई देते ही निकट के अस्पताल में संपर्क कर आवश्यक दवा का उपयोग सुनिश्चित करें। बचाव के उपाय करें। उन्होंने बताया कि ग्रीष्म ऋतु में लू लगने से गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। वृद्ध, बच्चे, खिलाड़ी, धूप में काम करने वाले श्रमिक सर्वाधिक खतरे में रहते हैं। पसीना न आना, गर्म-लाल एवं शुष्क त्वचा, मतली, सिरदर्द, थकान, चक्कर आना, उल्टियां होना, बेहोश हो जाना एवं पुतलियां छोटी हो जाना लू (तापघात) के प्रमुख लक्षण एवं संकेत हैं। डॉ. सैत्या ने कहा है कि गर्मी व लू से बचाव के लिए खूब पानी पिएं व खाली पेट न रहें, शराब व कैफीन के सेवन से बचें, ठण्डे पानी से नहाएं, सर ढके व हल्के रंग के ढीले व पूरी बांह के कपड़े पहने, बच्चों को बंद वाहनों में अकेला न छोड़े, दिन में दोपहर 12 से शाम 04 के मध्य बाहर जाने से बचें, धूप में नंगे पाँव न चलें, बहुत अधिक भारी कार्य न करें। बाहर निकलना आवश्यक हो तो छतरी व धूप के चश्मे का उपयोग करें, धूप में निकलने से पहले कम से कम दो गिलास पानी अवश्य पिएं, बुखार व लू लगने पर निकट के अस्पताल में संपर्क कर आवश्यक दवा का उपयोग सुनिश्चित करें। ह्रक्रस का घोल, नारियल पानी, छाछ, नींबू पानी, फलों का रस इत्यादि का सेवन लाभदायक होता है।

इंदौर के नागरिक हो रहे परेशान, बार-बार चेतावनी के बावजूद नहीं सुधर रही स्थिति

इंदौर। राज्य सरकार से सड़कों के लिए 650 करोड़ रुपये की राशि जारी होने के बावजूद शहर में सड़कों की हालत सुधरती नजर नहीं आ रही। नागरिक हिचकोले खाते और गड्ढों के बीच से गुजरने को मजबूर हैं। शहर के नागरिकों का कहना है कि पिछले एक दशक में शहर की सड़कों की इतनी दुर्गति कभी नहीं हुई थी।नगर निगम के चुनाव को भी डेढ़ वर्ष से अधिक समय बीत चुका है। उम्मीद की जा रही थी कि नई परिषद गठन होने के बाद शहर में विकास के कार्यों को गति मिलेगी और नागरिकों को सरपट सड़कें मिलेंगी, लेकिन हालात पहले से ज्यादा खराब हो गए। नागरिक हिचकोले खाते हुए गड्ढों के बीच से गुजरने को मजबूर हैं। अमृत 2 प्रोजेक्ट के तहत शहर में एलएंडटी कंपनी द्वारा पेयजल लाइन डालने का काम किया जा रहा है। कंपनी के कर्मचारी लाइन डालने के लिए सड़क को खोदकर लाइन तो बिछा देते हैं, लेकिन सड़क का सुधार काम नहीं किया जाता।

छिंदवाड़ा की सेंधमारी, भाजपा की नींव को खतरा विश्लेषण

जनता और कार्यकर्ताओं में जा रहा है विपरीत असर

गौरव चतुर्वेदी

मध्यप्रदेश की छिंदवाड़ा लोकसभा जीतने के चक्कर में भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस में सेंधमारी का दौर चला रखा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि एक हद के बाद इस तरह का प्रयास हर राजनीतिक दल को बड़े नुकसान पर मजबूर कर देता है। हालांकि भाजपा मैनेजमेंट के मामले में एक समय में कई प्लानों पर काम करती है। इसके बावजूद पार्टी की नींव जो मूल कार्यकर्ता के तौर पर जानी जाती है में नींव का खतरा खड़ा कर देती है।

मध्यप्रदेश में लोकसभा की 29 सीटें हैं। भाजपा के पास 28 और एक सीट कांग्रेस के पास है। कांग्रेस का कब्जा छिंदवाड़ा में है। जो कांग्रेस के कद्दावर नेता कमलनाथ के गढ़ के तौर पर जाना जाता है। छिंदवाड़ा लोकसभा सीट पर लंबे समय से मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और उनके परिवार का कब्जा है। 2019 लोकसभा चुनाव के दौरान कमलनाथ के मुख्यमंत्री रहते हुए उनके पुत्र नकुलनाथ सांसद चुने गए हैं।

छिंदवाड़ा लोकसभा को भाजपा जीतना चाहती है। जिसके चलते हर रोज कांग्रेस के छोटे बड़े नेताओं और कार्यकर्ताओं को भाजपा में शामिल कराया जा रहा है। हाल ही में छिंदवाड़ा जिले के विधायक कमलेश शाह और महापौर को भाजपा में शामिल कराया गया है । इसी के साथ साथ भाजपा मध्यप्रदेश के अन्य लोकसभा क्षेत्रों से भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं को तोड़ने का काम कर रही है। कांग्रेस मुक्त और अपना परचम लहराए रखने के चक्कर में भाजपा साम, दाम, दंड, भेद की राजनीति का खुलकर उपयोग कर रही है। सूत्रों के अनुसार विधायक, महापौर, जिला पंचायत अध्यक्ष, जनपद अध्यक्ष, पार्षद, नगर पालिका अध्यक्ष तोड़ने के लिए उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले दर्ज करने की धमकी, पद से हटाए जाने की कार्रवाई करने की धमकी दी जा रही है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि ऐसी धमकियों से भले ही निर्वाचित प्रतिनिधि डरकर भाजपा ज्वाइन कर रहे हों पर पार्टी के पक्ष में कितनी ईमानदारी से काम कर पाएंगे इसका आकलन किया जाना संभव नहीं है। इस कवायद से सिर्फ इतना ही हो सकता है कि वे कांग्रेस के पक्ष में काम ना कर पाएं। जिसका फायदा भाजपा को मिल सकता है।

संगठन अपनी कमजोरियां पर नजर नहीं डाल पा रहा

कांग्रेस तोड़ने के चक्कर में बड़े नेता अपनी कमजोरियां नहीं देख पा रहे हैं। भाजपा के नेता अतिआत्मविश्वास का भी शिकार हो रहे हैं। लगभग सात आठ लोकसभा क्षेत्रों में भाजपा प्रत्याशी के खिलाफ एंटीइंकंबेंसी का माहौल बना हुआ है और कांग्रेस ने भी अपेक्षाकृत भाजपा के मुकाबले ज्यादा बेहतर प्रत्याशी दिए हैं। एक राजनीतिक विश्लेषक का मानना है कि पूरे देश में भाजपा के प्रति जो वातावरण बना हुआ है वह राम मंदिर और मोदी के मैजिक के तौर पर आंका जा रहा है। अगर वर्तमान राजनीतिक हालात देखें जाएं तो दौर मासबेस राजनीति में बदल गया है। जो भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति पनपे जनता के रुझान के कारण है। इस चक्कर में भाजपा जो कैडर आधारित राजनीतिक दल के तौर पर जाना जाता है का कैडर में तालमेल गड़बड़ा गया है। इसी के साथ ही अन्य राजनीतिक दलों से आए नेताओं को दिए जाने वाले महत्व ने कैडर डिस्टर्बेंस में आग में घी डालने का काम किया है। मासबेस राजनीति का रास्ता पकड़ने के कारण केंद्र से लेकर बूथ स्तर तक नई सेकेंड लीडरशिप पनप नहीं पाई और जो पुरानी थी वह खत्म कर दी गई। जिसके चलते यह माना जा रहा है भले ही मध्यप्रदेश में भाजपा की सफलता बरकरार रहे या बढ़ जाए पर जीत का अंतर पिछले लोकसभा चुनाव के मुकाबले कम रहने की ही संभावना है।

● नुकसानदायक भी है यह कवायद

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि कभी-कभी यह कवायद पार्टी को बड़ा नुकसान पहुंचा सकता है। इसकी वजह स्थानीय स्तर पर कांग्रेस भाजपा कार्यकर्ताओं और नेताओं के बीच की विरोध भरी राजनीतिक अदावत रहती है। जो कार्यकर्ता एवं नेता लंबे समय तक एक दूसरे के विरोधी रहे हो उनमें आपस में सामंजस्य स्थापित नहीं हो पाता है। एक दूसरी वजह नवागत कार्यकर्ता और नेता को बड़े नेताओं द्वारा दिया जाने वाला महत्व रहता है। जिसके चलते संगठन के पुराने कार्यकर्ता और नेता अपने आप को ठगा सा महसूस करते हैं। इस हताशा और निराशा में कई बार वे निष्क्रिय हो जाते हैं। जिसके चलते बड़ा नुकसान हो सकता है।इस कवायद से भाजपा का मूल कार्यकर्ता भी नाराजगी से भरा हुआ है। हाल ही में पूर्व मंत्री अजय विश्नोई, मोहन कैबिनेट के सदस्य प्रहलाद पटेल, पूर्व मंत्री गोपाल भार्गव के तल्ख बयान इस नाराजगी को जाहिर कर रहे हैं।

जिले से पशु चारा-भूसा का निर्यात तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित

रायसेन (निप्र)। जिले में पशु चारा एवं भूसा की कमी की आशंका को दृष्टिगत रखते हुए पशुओं को पर्याप्त मात्रा में चारा-भूसा की आपूर्ति बनाए रखने हेतु कलेक्टर श्री अरविंद दुबे द्वारा तत्काल प्रभाव से जिले से अन्य राज्यों में पशु चारे-भूसा का निर्यात प्रतिबंधित किया गया है। कलेक्टर श्री दुबे द्वारा जारी आदेश के तहत पशु आहार में आने वाले सभी प्रकार के चारे, भूसा, घास, कड़वी ज्वार के डंठल, पैरा धान के डंठल आदि का जिले से अन्य राज्यों में निर्यात, उद्योगों एवं ईट के भट्टे में जलाने को मप्र चारा निर्यात नियंत्रण आदेश 2000 में निहित प्रावधानों के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तत्काल प्रभाव से 30 जून 2024 तक प्रतिबंधित किया गया है। कोई भी कृषक, व्यापारी, निर्यातक व्यक्ति किसी भी प्रकार से प्रतिबंधित पशु चारा एवं भूसा का परिवहन किसी वाहन, नाव, मोटर, रेल या किसी भी यान द्वारा रायसेन से राज्य से बाहर कलेक्टर द्वारा प्राधिकृत अधिकारी की अनुज्ञा पत्र के निर्यात नहीं करेगा। इस संबंध में संबंधित एसडीएम को अनुज्ञा पत्र जारी करने के लिए प्राधिकृत किया गया है।

पीठासीन और मतदान अधिकारी पूरी लगन तथा मनोयोग से प्रशिक्षण प्राप्त करें: कलेक्टर दुबे

रायसेन (निप्र)। जिले में लोकसभा आम निर्वाचन-2024 के लिए पीठासीन अधिकारियों तथा मतदान अधिकारियों का प्रथम प्रशिक्षण सभी विकासखण्ड मुख्यालयों पर 01 अप्रैल से शुरू हो गया है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अरविंद दुबे ने सांची विकासखण्ड अंतर्गत स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय रायसेन में आयोजित पीठासीन अधिकारियों तथा मतदान अधिकारियों के प्रशिक्षण का निरीक्षण किया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दुबे ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे पीठासीन और मतदान अधिकारियों से कहा कि वह पूरे मनोयोग से प्रशिक्षण प्राप्त करें। स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं सुचितापूर्ण निर्वाचन में मतदान दलो की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, इसके लिए मतदान दलों को निर्वाचन प्रक्रिया का पूर्णतः ज्ञान होना आवश्यक है। सभी भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का भली-भांति अध्ययन कर लें तथा किसी भी प्रकार की शंका या समस्या होने पर प्रशिक्षण के दौरान ही समाधान कर लें। उन्होंने सभी प्रशिक्षणार्थियों से ईवीएम संचालन की भी समुचित जानकारी प्राप्त करने के लिए कहा। मास्टर ट्रेनर्स द्वारा पीठासीन एवं मतदान अधिकारियों को उनके कर्तव्य एवं उत्तरदायित्व, मतदान केंद्र पर एक दिन पूर्व की जाने वाली कार्यवाही, मतदान के पूर्व की तैयारी एवं मॉकपोल, मॉकपोल का क्रम, मॉकपोल के दौरान मशीनों का परिवर्तन, मॉकपोल के पश्चात मशीनों की सीलिंग, वास्तविक मतदान प्रारंभ, मतदान केन्द्र में प्रवेश हेतु अनुमत्त व्यक्ति, मतदान केंद्र पर मतदाताओं के प्रवेश का विनिमय, मतदान केंद्र और आस पास निर्वाचन विधि का प्रवर्तन, मतदान प्रक्रिया, मतदान कें दौरान की विशेष स्थितियां, बैटरी का विस्थापन, मतदान समाप्ति पर कार्यवाही, निर्वाचन अभिलेख तैयार करना एवं पैकिंग, बुकलेट प्रपत्र आदि की जानकारी दी गई। उल्लेखनीय है कि लोकसभा आम निर्वाचन हेतु जिले के सभी विकासखण्ड मुख्यालयों पर 01 अप्रैल से 03 अप्रैल तक पीठासीन और मतदान अधिकारियों को दो पालियों में प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

पौधारोपण कर अप्रैल कूल दिवस मनाया गया

विदिशा (निप्र)। जिला न्यायालय परिसर में आज विविध प्रजाति के पौधे रोपित कर अप्रैल कूल दिवस मनाया गया है। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री जाकिर हुसैन के मार्गदर्शन में आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम में सभी न्यायाधीशगणों द्वारा सहभागिता निभाई गई है। न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्री मसूद अहमद खॉन ने बताया कि न्यायिक अधिकारियों द्वारा एक-एक पौधा का रोपण किया गया है ताकि जिला न्यायालय परिसर भी पर्यावरण के क्षेत्र में पौधो के माध्यम से सहभागी बन सकें। पौधरोपण कार्यक्रम में जिला विधिक सहायता अधिकारी श्रीमती दिव्या भल्लावी ने बताया कि विभिन्न प्रजाति के पौधेरोपण उपरांत उनकी देखभाल के प्रबंध सुनिश्चित किए गए है। विश्व में वर्षो से एक अप्रैल को कूल दिवस के रूप में मनाए जाने का प्रचलन है वहीं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा इस दिवस को आज अप्रैल कूल दिवस के रूप में मनाए जाने का संकल्प लिया गया है के परिपालन में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

कलेक्टर-एसपी ने किया मतदान केन्द्रों का निरीक्षण मतदान करने आने वाले मतदाताओं का न हो कोई परेशानी. कलेक्टर सिंह

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री प्रवीण सिंह एवं पुलिस अधीक्षक श्री मयंक अवस्थी ने 18-विदिशा लोकसभा संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत इछावर एवं भेरूंदा विधानसभा क्षेत्र के अनेक मतदान केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मतदान केन्द्रों में आवश्यक व्यवस्थाओं का अवलोकन किया और अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक निर्देश दिये। कलेक्टर श्री सिंह एवं एसपी श्री मयंक अवस्थी ने मतदान केन्द्र कांकरखेड़ा-1 एवं मतदान केन्द्र कांकरखेड़ा-2 श.उ.मा.वि.इछावर-1 एवं इछावर-2 नालंदा , भाऊखेडी, लसूडियाकांगर, बोरदीकला-1 एवं बोरदीकला-2 और नादान सहित अनेक मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान कलेक्टर श्री सिंह ने ग्रीष्म ऋतु को ध्यान में रखते हुए मतदान करने आने वाले मतदाताओं के लिए पेयजल एवं छाया के लिए टैंट के साथ अन्य आवश्यक व्यवस्था के निर्देश दिए। उन्होंने कहा मतदान केन्द्रों में पेयजल, बिजली, पंखा, फर्नीचर, और दिव्यांगों के लिए रैम्प, मतदान केन्द्र तक पहुंच मार्ग, शौचालय, साफ.सफाई तथा दिव्यांग मतदाताओं के लिए व्हील चेयर सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाए सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री सिंह ने रिटर्निंग अधिकारीए सहायक रिटर्निंग अधिकारी तथा बीएलओ से संबंधित मतदान केन्द्र में मतदाताओं की संख्या गत मतदान के प्रतिशत तथा स्वीप गतिविधियों की विस्तार से जानकारी ली। एसपी श्री मयंक अवस्थी ने उपस्थित पुलिस अधिकारियों, पुलिस कर्मियों तथा सेक्टर अधिकारियों से संयुक्त रूप से अपने क्षेत्र में नियमित भ्रमण करने तथा असामाजिक एवं अवांछित व्यक्तियों के विरूद्ध कार्रवाई करने निर्देश दिए हैं। बाहरी व्यक्तियों के आगमन एवं उनकी गतिविधियों तथा संदिग्ध व्यक्तियों पर सतत नजर रखी जाए। उन्होंने कहा कि मतदाता स्वतंत्र और निर्भीक होकर मतदान कर सके इसके लिए सभी आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

आदर्श आचार संहित का कढ़ाई से पालन किया जाए : मतदान केन्द्रों के भ्रमण के दौरान कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह एवं एसपी मयंक अवस्थी ने उपस्थित अधिकारियों से आदर्श आचार संहिता का कढ़ाई से पालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मतदान केन्द्रों का सतत भ्रमण करें तथा शासकीय सम्पत्ति को विरूपित करने वाले व्यक्तियों के विरूद्ध कार्यवाही करें। उन्होंन कहा कि शासकीय सेवक स्वयं भी आदर्श आचार संहित का पालन करें।

कलेक्टर-एसपी ने की मतदान की अपील : मतदान केन्द्रों के भ्रमण के दौरान कलेक्टर श्री सिंह एवं एसपी मयंक अवस्थी ने नागरिकों से अधिक से अधिक मतदान करने की अपील और कहा कि लोकतंत्र में हर एक वोट बहुमूल्य है। लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए सभी की मतदाताओं की भागीदारी आवश्यक है।

कलेक्टर ने देखी मध्यान भोजन के गुणवत्ता

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री प्रवीण सिंह जिले के भ्रमण के दौरान जिले के अनेक मतदान केन्द्रों का दौरा कर निरीक्षण किया गया इसी श्रृखला में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लाड़कुई में मतदान केन्द्र का निरीक्षण किया और छात्र-छात्राओं को दिये जाने वाले मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता के बारे में उन्होंने भोजनशाला का निरीक्षण किया और छात्र-छात्राएं जहां भोजन ग्रहण करते है वहां जाकर स्वयं भोजन चख कर गुणवत्ता देखी। इसके साथ ही उन्होंने दिए जाने वाले मध्यान भोजन के बारे एवं प्रतिदिन के भोजन के मीनू के बारे में छात्र-छात्राओं से जानकारी ली। उन्होंने शिक्षकों को निर्देश दिए की निर्धारित मीनू के अनुसार विद्यार्थियों को अच्छी गुणवत्ता का भोजन दिया जाए।

टीकाकरण अधिकारी, बीएमओ व बीपीएम को देंगे कारण बताओ नोटिस

हरदा (निप्र)। कलेक्टर श्री आदित्य सिंह ने सोमवार को जिले में स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित परिवार कल्याण कार्यक्रम, अंधत्व निवारण कार्यक्रम, टीकाकरण कार्यक्रम, बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम सहित अन्य कार्यक्रमों की विस्तार से समीक्षा की। टीकाकरण कार्य में लापरवाही बरतने पर जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. शैलेन्द्र परिहार के विरूद्ध कारण बताओ नोटिस जारी करने तथा टीकाकरण कार्यक्रम की समय-समय पर समीक्षा न करने पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी के विरूद्ध कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश कलेक्टर श्री सिंह ने दिये।

उन्होने सभी स्वास्थ्य कार्यक्रमों के नोडल अधिकारियों को अधिकारी दौरे कर विकासखण्ड व उससे निचले स्तर पर स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा के लिये कहा। उन्होने जिला क्षय उन्मूलन अधिकारी डॉ. जे.के. चौरे का वेतन रोकने, विकासखण्ड कार्यक्रम प्रबन्धक टिमरनी श्री सौरभ कौशल का 10 दिन का वेतन काटने तथा बीएमओ टिमरनी डॉ. चौरे का 10 दिन का वेतन काटने के निर्देश बैठक में दिये। बैठक में जिला पंचायत के सीईओ श्री रोहित सिसोनिया के अलावा मुख्य चिकित्सा अधिकारी

डॉ. एच.पी. सिंह, सिविल सर्जन डॉ. मनीष शर्मा व स्वास्थ्य विभाग के विभिन्न कार्यक्रमों के जिला स्तरीय नोडल अधिकारी व हंडिया, टिमरनी व खिरकिया के विकासखण्ड चिकित्सा अधिकारी व विकासखण्ड कार्यक्रम प्रबन्धक मौजूद थे। कलेक्टर श्री सिंह ने जिले में पुरूष नसबंदी के लिये विशेष प्रयास करने पर जोर दिया। उन्होने अंधत्व निवारण कार्यक्रम के तहत आयोजित नैत्र शिविरों में निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होने मुख्य चिकित्सा अधिकारी व सभी खण्ड चिकित्सा अधिकारी जिले में संस्थागत प्रसव बढ़ाने के लिये भी कहा। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने मातृ मृत्यु दर व शिशु मृत्यु दर के संबंध में भी जानकारी ली। उन्होने महिला बाल विकास विभाग व स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों के संयुक्त दल बनाकर कुपोषित बच्चों को चिन्हित करने तथा टीकाकरण से छूट गये बच्चों की पहचान करने के निर्देश भी दिये ताकि उनके कुपोषण निवारण व टीकाकरण की व्यवस्था की जा सके।

शाहपुरा में 3 हजार कांग्रेस कार्यकर्ताओं व लोगों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की

● मुख्यमंत्री यादव ने छिंदवाड़ा के चौरई में किया रोड शो

छिंदवाड़ा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा तेजी से देश का विकास कर रही है। प्रधानमंत्री भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के साथ भारत को विश्व गुरू बनाने के लिए कार्य कर रहे हैं। छिंदवाड़ा की जनता इस लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के काले कारनामों का जवाब देने के लिए तैयार है। भाजपा छिंदवाड़ा सहित प्रदेश की सभी लोकसभा सीटों पर ऐतिहासिक विजय प्राप्त करेगी। बीजेपी छिंदवाड़ा का अंधेरा हटाएगी और यहां कमल खिलेगा। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने छिंदवाड़ा जिले के शाहपुरा चांद में स्थानीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इसके पहले छिंदवाड़ा के चौरई में पार्टी प्रत्याशी विवेक बंटी साहू के समर्थन में रोड शो किया और जनता से भारतीय जनता पार्टी को ऐतिहासिक मतों से जिताने की अपील की। शाहपुरा चांद में स्थानीय कार्यक्रम को संबोधित करने के बाद मुख्यमंत्री ने शहनाई गार्डन में प्रबुद्धजन सम्मेलन को भी संबोधित किया। शाहपुरा कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के समक्ष तीन हजार से अधिक कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा किए गए विकास और सुशासन से भारत विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना है। श्री नरेन्द्र मोदी जी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे और देश विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बन जाएगा। मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए आप सब भाजपा प्रत्याशी को अपना वोट और आशीर्वाद देकर ऐतिहासिक मतों से विजयी बनाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की जनता अब समझ चुकी है कि प्रधानमंत्री मोदी के हाथों में देश सुरक्षित है। प्रधानमंत्री ने गरीबों के कल्याण

के लिए मुफ्त खाद्यान्न योजना, आयुष्मान योजना, उज्जवल गैस कनेक्शन, पीएम आवास जैसी कई योजनाएं चला रहे हैं, जिनसे गरीबों का विकास हो रहा है।

कांग्रेस ने राम मंदिर को लेकर हिंदू-मुस्लिम को खूब लड़ाया

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री ने 2014 में भारत से लेकर पाकिस्तान की धरती तक दुश्मनों की छाती पर वार किया। 2019 में देश में चारों तरफ उन्नति का पराक्रम दिखाना प्रारंभ हुआ और 500 साल पुराने कलंक को धो दिया। मैं खुलकर बोल रहा हूं, कांग्रेस ने भगवान श्री राम को लेकर हिंदू मुस्लिम को खूब लड़ाया है। जब सर्वोच्च न्यायालय ने निर्णय कर दिया था कि अयोध्या में भगवान श्रीराम का जन्मस्थान है, वहीं सरयू है, वहीं राम है। जिसने सोने की लंका ध्वस्त करके रावण का मान मर्दन किया था। हिंदू-मुसलमान की एकता का मौका मिला तो वो मोदी जी के नेतृत्व में मिला। मोदी है तो मुमकिन है। जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हट गई, कांग्रेस के सारे लोगों ने कहा था कि खून की नदियां बह जाएगी क्योंकि खून की नदियां उनके खून में थी, हिंदू मुस्लिम को लड़ाते-लड़ाते हमारा स्वर्ग से सुन्दर कश्मीर आतंक का अड्डा बन गया था। जहां 40 हजार लोगों की हत्या हुई थी। इन विचारों के कारण से भारत की पहचान गलत बनती थी, भाजपा वो सारे कांटे हटा रही है।

दैनिक
सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

इंदौर पाती

3

इंदौर, बुधवार 03 अप्रैल, 2024

एक वर्ष में 34 हजार से अधिक रजिस्ट्रियां महिलाओं के नाम

● करीब पांच हजार करोड़ की संपत्तियों की मालिक बनी महिलाएं

इंदौर। बदलते दौर के साथ महिलाएं भी हर मोर्चे पर अपनी काबिलियत साबित कर रही है। अब संपत्तियों की खरीदी में भी महिलाओं की संख्या बढ़ी है। इंदौर जिले में 34 हजार से अधिक रजिस्ट्रियां बीते एक साल में महिलाओं के नाम हुई। जिले में महिलाएं एक साल में करीब 5000 करोड़ की संपत्तियों की मालिक बनी है। महिलाओं ने रजिस्ट्रियों में मिलने वाली छूट का फायदा उठाते हुए 94 करोड़ रुपये भी बचाये।हाल ही में समाप्त हुए वित्तिय वर्ष 2023-24 में इंदौर पंजीयन विभाग में एक लाख 75 हजार 900 दस्तावेज पंजीकृत हुए और इससे 2415 करोड़ राजस्व मिला। इसमें 34300 रजिस्ट्रियां महिलाओं के नाम हुई है। इन रजिस्ट्रियों से महिलाओं ने राज्य शासन द्वारा दी जा रही 2 प्रतिशत अतिरिक्त छूट के तौर पर 94 करोड़ रुपये की छूट भी प्राप्त की। वरिष्ठ पंजीयक दीपक शर्मा ने बताया कि जिले में वित्तिय वर्ष 2022-23 की अपेक्षा 2023-24 में 331 करोड़ रुपये अधिक राजस्व मिला है। वहीं संपत्तियों की बात करें तो 6200 संपत्तियां अधिक पंजीकृत हुई है। गौरतलब है कि राज्य सरकार द्वारा संपत्तियों के पंजीयन में दी जा रही छूट के कारण बड़ी संख्या में महिलाओं के नाम पर संपत्तियों के पंजीयन किए जाने का चलन बढ़ा है। दो प्रतिशत छूट के लिए महिलाओं के नाम संपत्तियां पंजीकृत करने का चलन बढ़ा है। वहीं महिलाए भी विभिन्न क्षेत्रों में काम कर मोटी आय अर्जित कर रही हैं, इसलिए अब महिलाएं भी संपत्तियां खरीदने की तरफ अग्रसर हैं।

इंदौर ने आसमान में रचा इतिहास

इंदौर। इंदौर के देवी अहिल्याबाई होलकर अंतरराष्ट्रीय विमानतल के लिए हाल ही में खत्म हुआ वित्तीय वर्ष 2023-24 सबसे खास रहा। 1 अप्रैल 2023 से 31 मार्च 2024 तक चले इस वित्तीय वर्ष के दौरान इंदौर से 30 हजार से ज्यादा उड़ानों का संचालन हुआ, जिनसे 37 लाख से ज्यादा यात्रियों ने सफर किया। पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में इस दौरान करीब 10 लाख यात्रियों का इजाफा हुआ है, जो इंदौर के हवाई इतिहास में सर्वाधिक है। दौर की इस उपलब्धि का खुलासा एयरपोर्ट अथोरिटी द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट में हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक इंदौर एयरपोर्ट से बीते वित्तीय वर्ष यानी 1 अप्रैल 2023 से 31 मार्च 2024 के बीच कुल 30 हजार 399 उड़ानों का संचालन हुआ, जिनसे कुल 37 लाख 20 हजार 828 यात्रियों ने सफर किया, जबकि इससे पिछले वित्तिय वर्ष 2022-23 की बात करें तो 1 अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2023 के बीच इंदौर से 23 हजार 918 उड़ानों का संचालन हुआ था, जिनसे 27 लाख 48 हजार 238 यात्रियों ने सफर किया था। इस तरह वर्ष 2022-23 की अपेक्षा 2023-24 में इंदौर से 6 हजार 481 उड़ानें और 9 लाख 72 हजार 590 यात्री बढ़े हैं। प्रतिशत में बात करें तो 27 प्रतिशत उड़ानें और 35 प्रतिशत यात्री बढ़े हैं।एयरपोर्ट अथोरिटी द्वारा जारी मार्च 2024 की रिपोर्ट में सामने आया है कि इस माह इंदौर से कुल 2,642 उड़ानों का संचालन हुआ और इनसे 3,34,785 यात्रियों ने सफर किया, जबकि फरवरी में इंदौर से 2,568 उड़ानों से कुल 3,13,541 यात्रियों ने सफर किया था। इस तरह मार्च में फरवरी की तुलना में 74 उड़ानें और 21,244 यात्री बढ़ें है। प्रतिशत में देखें तो यात्री संख्या में 6.7 और उड़ानों की संख्या में 2.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इंदौर से मार्च माह में हर दिन औसत 85 उड़ानों का संचालन हुआ है, वहीं रोजाना औसत 10,799 यात्रियों ने सफर किया है। इंदौर से लगातार बढ़ रही उड़ानों और यात्रियों के साथ ही इंदौर एयरपोर्ट एक बार फिर प्रदेश में पहले स्थान पर है। इंदौर एयरपोर्ट प्रदेश का एकमात्र ऐसा एयरपोर्ट है जो 24 घंटे खुला रहता है और जहां से अंतरराष्ट्रीय उड़ानें संचालित होती हैं, वहीं सबसे ज्यादा घरेलू उड़ानें भी इंदौर से ही चलती हैं। अभी इंदौर का देश-दुनिया के 24 शहरों से सीधा संपर्क है। इसके कारण ही प्रदेश के अन्य चार एयरपोर्ट भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर और खजुराहो मिलकर भी उड़ानों और यात्री संख्या में इंदौर के बराबर नहीं पहुंचते हैं।

जिला न्यायालय में शुरू हुई राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियां

इंदौर। जिला न्यायालय सहित सभी न्यायालयों में इस वर्ष की दूसरी राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियां अभी से शुरू हो गई हैं। यह राष्ट्रीय लोक अदालत मई माह में आयोजित की जाएगी। इसमें 40 हजार से ज्यादा प्रकरणों के निराकरण का लक्ष्य रखा गया है। तैयारियों के लिए जिला न्यायालय में जिला विधिक प्राधिकरण ने अधिवक्ताओं और बीमा कंपनियों के अधिकारियों के साथ बैठक शुरू कर दी है।जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के मुताबिक, हाल ही में मार्च में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत की व्यवस्थाओं को आगे बढ़ाते हुए इस बार कुछ अन्य सुविधाएं भी पक्षकारों के लिए जुटाई जा रही हैं। इस बात का विशेष ध्यान रखा जा रहा है कि पक्षकारों को राष्ट्रीय लोक अदालत के दिन प्रकरण के निराकरण और उसे समझने में कोई दिक्कत न हो। इसके लिए कुछ वकीलों की पैनल बनाकर उनकी तैनाती भी की जाएगी ताकि जरूरत पड़ने पर वे पक्षकारों को विस्तृत जानकारी दे सकें।हर बार राष्ट्रीय लोक अदालत में नगर निगम से जुड़े प्रकरणों का बड़ी संख्या में निराकरण होता है, लेकिन मार्च में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत के समय ई-पालिका पोर्टल बंद होने से इन प्रकरणों का निराकरण नहीं हो सका। राष्ट्रीय लोक अदालत के लक्ष्य को हासिल नहीं करने के पीछे यह भी एक बड़ी वजह रही। मई तक ई-पालिका पोर्टल पूरी तरह से काम करने लगेगा।इसके चलते उम्मीद जताई जा रही है कि इस बार राष्ट्रीय लोक अदालत में लक्ष्य आसानी से प्राप्त कर लिया जाएगा। नगर निगम के अधिकारी भी इस बारे में आश्वस्त नजर आ रहे हैं। यही वजह है कि निगम ने अभी से सर्वेक्षण कर बकायादारों से बकाया करों के भुगतान की अपील शुरू कर दी है।

जल्द शुरू होगी जिला कोर्ट की नई पार्किंग

इंदौर। जिला कोर्ट परिसर में वाहनों की अव्यवस्थित पार्किंग की समस्या से निजात के लिए बनाई गई नई पार्किंग बनकर तैयार है, इसे जल्द ही कभी भी शुरू किया जा सकता है। सालों पुरानी इस परेशानी को खत्म करने के लिए हाई कोर्ट के आदेश पर जिला कोर्ट से लगी होप टेक्सटाइल मिल की करीब 4.5 एकड़ जमीन पर वाहनों की नई पार्किंग बनाई गई है। इस जमीन पर लगभग 4 हजार से अधिक दोपहिया और करीब 700 कारों की पार्किंग की जा सकेगी।कोर्ट परिसर की पार्किंग को लेकर हाई कोर्ट द्वारा गठित की गई तीन सदस्यीय कमेटी की निगरानी में मिल की इस जमीन पर लेवलिंग, टाइल्स, गेट आदि लगने सहित अन्य काम पूरा होने से लेकर पार्किंग संचालन हेतु टेंडर की प्रक्रिया भी हो चुकी है।सूत्रों का कहना है कि बस अब इसे शुरू किए जाने की तारीख तय होना बाकी है। उम्मीद की जा रही है कि जल्द इसे शुरू कर दिया जाएगा। वर्तमान में जिला कोर्ट परिसर में वाहनों की बेतरतीब पार्किंग बड़ी समस्या है। यह नई पार्किंग शुरू होने से इससे काफी राहत मिलेगी।

रालामंडल ईको सेंसिटिव जोन' के आस पास तेजी से विकसित हो रही कॉलोनियां, वन्य प्राणियों का जीवन हो रहा बाधित

● रालामंडल अभयारण्य के 100 मीटर क्षेत्र में है 'ईको सेंसिटिव जोन' ● केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने जारी किया था नोटिफिकेशन

नियमों को ताक पर रख दे दी अनुमति

डॉ. देवेन्द्र मालवीय

इंदौर। राला मंडल अभ्यारण वन्य जीव जंतुओं के लिए सुरक्षित है। अभ्यारण के आसपास वर्ल्ड लाइफ सेंचुरी की सीमा 5.345 किलोमिटर के क्षेत्र में फैली हुई है। अभयारण्य का एक किलोमीटर परिधि क्षेत्र ईको सेंसेटिव जोन है। इस क्षेत्र में नए रहवासी, व्यावसायिक, औद्योगिक या खनन क्षेत्र को लेकर केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने नोटिफिकेशन जारी किया है। सारे नियमों को धता बताते हुए इस क्षेत्र में टाउनशिप, फैक्ट्रीज और स्पोर्ट्स एकेडमी तेजी से आकार ले रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने भी देश में वाइल्ड लाइफ सेंचुरी और नेशनल पार्क का सेंसेटिव जोन 10 किलोमीटर रखने की बात कही थी, इसे लेकर कई स्तर पर विवाद के बाद अधिकारियों को क्षेत्र तय करने की जिम्मेदारी दी गई थी। उसके बावजूद भी राला मंडल क्षेत्र में कई कालोनियां तेजी के साथ विकसित हो रही है और अधिकारियों का इस तरफ कोई ध्यान नहीं है।

अभी टाउनशिप सहित कई गतिविधियां हो रही है अभ्यारण के आसपास

रालामंडल की सीमा से जिस 100 मीटर का क्षेत्र ईको सेंसेटिव जोन है उसका कुल क्षेत्रफल 0.810 वर्ग किलोमीटर है। इसकी जद में रालामंडल गांव, नायता मुंडला, सनावदिया, बिहाडिया और मिर्जापुर का हिस्सा है। इसमें अभी सिल्वर स्प्रिंग और रिवेरा टाउनशिप का हिस्सा, पटेल कॉलेज, अमय खुरासिया प्ले ग्राउंड, एक गैस गोदाम, होमगार्ड क्वार्टर सहित फार्म हाउस और रालामंडल गांव के साथ ही कृषि व वन क्षेत्र शामिल है।

कई प्रजाति के व न्य जीव जंतु है अभ्यारण मे

2.345 वर्ग किलोमीटर के अभयारण्य में 152.5 हेक्टेयर क्षेत्र वन्यजीव जोन है। वहीं 55 हेक्टेयर में पर्यटन क्षेत्र और 27 हेक्टेयर में डियर सफारी है। राला मंडल में हिरण, चीतल, नीलगाय, लकड़बग्घे और लोमड़ी सहित अन्य वन्यजीव हैं। साथ ही सागवान और कई अन्य तरह के प्रजाति के पेड़ पौधे भी है। कई बार यहां तेंदुए की गतिविधियां भी देखी गई है। तेज आवाज और लाइट से प्रभावित होता जीव जंतुओं का जीवन ज्ञात रहे कि सेंसेटिव जोन में कॉलोनी और टाउनशिप डेवलप हो रही हैं इसके साथ ही अभ्यारण के आसपास स्पोर्ट्स एकेडमी भी खुल गई है जहां पर देर रात तक खेल की गतिविधियां संचालित होती है और ऊंची आवाज में लाउडस्पीकर बजाए जाते हैं जिससे वन्य प्राणियों का जीवन प्रभावित होता है लेकिन अधिकारी इससे पूरी तरह से अनभिज्ञ है। जब इस मामले पर वन अधिकारी महेंद्र सोलंकी को फोन लगा कर जानकारी मांगी गई तो हर बार किसी न किसी बहाने से वे जानकारी देने से कतराते रहे।

इंदौर जिला प्रशासन की बड़ी कार्यवाही : भू माफियाओं से 400 से 500 करोड़ रुपये बाजार मूल्य की शासकीय जमीन कराई गई अतिक्रमण मुक्त

कार्रवाई में नगर निगम का अमला भी जुटा

इंदौर। इंदौर में भू माफियाओं के कब्जे से अतिक्रमण हटाने के लिए कलेक्टर आशीष सिंह द्वारा बड़ी कार्रवाई की गई है। बेशकीमती शासकीय भूमि अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए जिला प्रशासन के अमले द्वारा नगर निगम के सहयोग से यह कार्यवाही कलेक्टर सिंह के निर्देशन में की गई। इस कार्यवाही में तहसील राऊ स्थित ग्राम तेजपुर गड़बड़ी की अन्नपूर्णा मंदिर के समीप स्थित 4.967 हेक्टेयर शासकीय भूमि भू माफियाओं से अतिक्रमण मुक्त की गई। इस भूमि का बाजार मूल्य 400 से 500 करोड़ रुपये अनुमानित है। तहसील राऊ स्थित ग्राम तेजपुर गड़बड़ी स्थित भूमि सर्वे नंबर 56, 57, 58, 59, 99/1 कुल रकबा 4.967 हेक्टेयर जिसका लैण्डयूज पीएसपी एवं रेसीडेंशियल है। गाइडलाइन वैल्यू 118.21 करोड़ है तथा वर्तमान बाजार मूल्य लगभग 400 से 450 करोड़ है। भू माफियाओं द्वारा वर्ष 2000 से शासन द्वारा जारी परिपत्रो का गलत दुरुपयोग करते हुए इंदौर शहर के बीचोबीच स्थित भूमियों पर लगभग 25 खंडहरनुमा छोटे-छोटे कमरे बना रखे थे जो कि लगभग लगभग 100 फीट दूर स्थित थे। उक्त कमरो में बिजली, पानी, सीवरेज लाइन, सड़क आदि की कोई व्यवस्था नहीं थी। अतिक्रमण कर्ताओं द्वारा अवैध कालोनी दिखाकर व्यवस्थापन का लाभ लेने के उद्देश्य से भूमियों को हड़पने का षड़यंत्र रचा जा रहा था तथा शासन को आर्थिक रूप से नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा था। मौके पर अवैध कालोनी के कोई भी साक्ष्य नहीं पाये गये। बताया गया कि वर्ष 2021 में तत्कालीन कलेक्टर मनीष सिंह द्वारा भी अपने जांच प्रतिवेदन में उक्त भूमि पर कालांतर में किये गये अतिक्रमण को हटाया जाकर राज्य शासन के पक्ष में सुरक्षित किये जाने हेतु इंदौर संभागायुक्त को लिखा गया था। कल कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देश के परिपालन एवं अपर कलेक्टर श्रीमती सपना लोवंशी के मार्गदर्शन में अनुविभागीय अधिकारी राऊ विनोद राठौर, तहसीलदार राऊ नारायण नांदेडा, अतिरिक्त तहसीलदार धीरेश सोनी, राजस्व निरीक्षक मनीष भार्गव, हल्का पटवारी अमन शुक्ला सहित नगर निगम के झोनल अधिकारी नागेन्द्र भदौरिया एवं भवन अधिकारी बबलू कल्याणे सहित अमले ने उक्त भूमि पर किये गये अतिक्रमण को हटाया तथा शासकीय बहुमूल्य भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया।

जिले की 174 शराब दुकानों के लाइसेंस का होगा नवीनीकरण, इस वर्ष भी अहाते रहेंगे बंद

इंदौर। इंदौर जिले के 64 समूह में विभाजित 174 शराब दुकानों को वित्तीय वर्ष 2024 25 के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली गई। जिले की 75 प्रतिशत शराब दुकानों का आबकारी विभाग ने पहले ही 15 प्रतिशत बढ़ोतरी के साथ नवीनीकरण करवा लिया था। शेष शराब दुकानों की नीलामी टेंडर प्रक्रिया से की गई। जिले में कुछ दुकानों के लिए 15 प्रतिशत बढ़ोतरी से खरीदार नहीं मिलने पर कम दर पर नीलाम किया गया। जिले में 13.7 प्रतिशत ग्रोथ रही। आबकारी विभाग को 174 दुकानो से लाइसेंस शुल्क और ड्यूटी के रूप में 1485 करोड़ रुपये राजस्व प्राप्त होगा। वित्तीय वर्ष 2023-24 में 1312 करोड़ रुपये राजस्व मिला था।प्रदेश और इंदौर में एक अप्रैल से नई शराब नीति लागू हो गई। 15 प्रतिशत बढ़ोतरी के साथ शराब दुकानों के नीलामी की योजना बनी थी। इंदौर जिले के 50 समूहों की दुकानों का नवीनीकरण विभाग ने 15 प्रतिशत बढ़ोतरी के साथ कर दिया, जबकि शेष 14 समूह की दुकानों को कम दर पर नवीनीकरण करना पड़ा। सहायक आबकारी आयुक्त मनीष खरे का कहना है कि जिले में लाइसेंस व ड्यूटी से वित्तीय वर्ष 2024-25 में 1485 करोड़ की आय होगी। सभी शराब दुकान वर्तमान रेट से अधिक दाम में गई है। स्कीम-54 ग्रुप की दो शराब दुकानों से ही विभाग को 53 करोड़ रुपये मिलेंगे। यहां विभाग ने 56 करोड़ की आय का लक्ष्य रखा था। इस ग्रुप में स्कीम-54 और भमोरी की दुकान शामिल है। एमओजी लाइन सहित कुछ अन्य ग्रुप में 45 से 50 करोड़ तक की सालाना आय विभाग को होगी। इस वित्तीय वर्ष में एमआईजी की 12 प्रतिशत, ट्रांसपोर्ट नगर की 8 प्रतिशत और अग्रसेन चौराहे की 10 प्रतिशत कम रेट में गई। इंदौर जिले की सभी 174 शराब दुकानों की टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। अधिकांश दुकानों का संचालन पुराने शराब ठेकेदारों द्वारा ही किया जा रहा है, इसलिए सभी शराब दुकान अपने पुराने स्थान पर ही संचालित होगी। वहीं इस वर्ष भी शराब दुकानों के साथ संचालित होने वाले अहाते बंद रहेंगे। गौरतलब है कि एक वर्ष पहले अहातों को बंद किया गया था।

इंदौर में कांग्रेस के हालात हुए बदतर

इंदौर। इंदौर लोकसभा क्षेत्र में कांग्रेस के लिए परेशानियां कम होने का नाम नहीं ले रहीं। दो पूर्व विधायकों सहित कांग्रेस के कई बड़े नेता भाजपा का दामन थाम चुके हैं। पार्टी के लिए हालात कितने खराब हैं, यह इसी से समझा जा सकता है कि प्रत्याशी तय करने में भी पार्टी को खासी मशक्कत करनी पड़ी। पार्टी से जिन-जिन नेताओं के नाम लोकसभा चुनाव के लिए आगे बढ़े, उन्होंने खुद पैर पीछे खींच लिए। इंदौर को किसी समय कांग्रेस का मजबूत गढ़ माना जाता था। इसी लोकसभा क्षेत्र से कभी कांग्रेस के कद्दावर नेता और केंद्रीय गृहमंत्री रहे प्रकाशचंद सेठी ने जीत दर्ज की थी, लेकिन वर्ष 1989 से यह सीट कांग्रेस के हाथ से ऐसे फिसली कि इसके बाद यहां से कोई कांग्रेसी जीत दर्ज नहीं कर सका।35 वर्षों से इंदौर लोकसभा क्षेत्र भाजपा का अजेय गढ़ बना हुआ है। वर्ष 1952 में हुए पहले चुनाव से अब तक कांग्रेस इस लोकसभा क्षेत्र से 11 नेताओं को मैदान में उतार चुकी है। इनमें से जीत सिर्फ चार को नसीब हुई। कांग्रेस के ये हालात एक ही दिन में नहीं बिगड़े। दरअसल, पार्टी के पास संगठन नाम की कोई चीज ही नहीं है, जबकि संगठन के दम पर ही भाजपा लगातार सत्ता हासिल करती रही। लोकसभा चुनाव ही नहीं विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस के मुकाबले भाजपा कहीं ज्यादा मजबूत नजर आती है। वर्ष 2018 में कांग्रेस सत्तासीन हुई थी, लेकिन यह सत्तासुख बहुत ज्यादा नहीं रहा। वर्ष 2018 में इंदौर जिले की नौ विधानसभा सीटों में कांग्रेस को चार पर जीत हासिल हुई थी, लेकिन यह संजीवनी भी इंदौर में कांग्रेस को खड़ा नहीं कर सकी।लोकसभा चुनाव में वर्ष 2009 में हुआ था सबसे करीब मुकाबला कांग्रेस ने इंदौर लोकसभा क्षेत्र से सबसे जोरदार चुनाव वर्ष 2009 में लड़ा था। उस चुनाव में कांग्रेस ने सत्यनारायण पटेल को मैदान में उतारा था, जबकि भाजपा से सुमित्रा महाजन मैदान में थीं। कांग्रेस यह चुनाव भले ही हार गई थी लेकिन पिछले 35 वर्ष में यह सबसे करीबी मुकाबला था। सुमित्रा महाजन कांग्रेस के सत्यनारायण पटेल को बमुश्किल 11480 मतों से हरा सकी थीं। यही वजह थी कि वर्ष 2014 में भी कांग्रेस ने सत्यनारायण पटेल पर भरोसा जताया लेकिन इस बार वे सुमित्रा महाजन से चार लाख 66 हजार मतों से हार गए थे। महाजन की लोकसभा चुनाव में यह अंतिम जीत थी।

गीता भवन पर कैफे में तोड़फोड़

कस्टमर और मालिक को पीटा, तीन युवकों पर केस दर्ज

इंदौर (नप्र)। इंदौर के पलासिया इलाके में एक कैफे में मारपीट करने का मामला सामने आया है। आरोपियों ने पूरे कैफे में तोड़फोड़ कर डाली। मौके पर सूचना के बाद पुलिस पहुंची। बताया जाता है कि कैफे संचालक से पहले आरोपियों की कहासुनी हुई। इसके बाद उन्होंने कस्टमर से आकर बदसलूकी की और फिर विवाद किया।पलासिया पुलिस के मुताबिक उल्लास वर्धन शर्मा निवासी बृजेश्वरी एनेक्स बंगाली चौराहे की शिकायत पर पुलिस ने दीपक धीमान, हर्ष बनौधा और विनय के खिलाफ तोड़फोड़ सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है। उल्लास वर्धन ने बताया कि वह गीताभवन अलंकार पॉइंट पर मैत्री अमृत तुल्य नाम से चाय कैफे संचालित करता है। सोमवार को तीनों लड़के वहां पहुंचे और कस्टमर से अपशब्द कहते हुए नाम पते पूछने लगे। इस बात पर उल्लास ने आपत्ति ली। जिस पर उल्लास को भी धक्का दिया और कुर्सी उठाकर तोड़फोड़ शुरू कर दी। इसके बाद उन्होंने दो कस्टमर करण सोनी और आशू जैन के साथ भी मारपीट की। आरोपियों ने इसके बाद पत्थर उठाया और अंदर

लोकसभा चुनाव: न किसानों के मुद्दों का शोर,न व्यापारियों की परेशानी पर कोई चर्चा

इंदौर। देश में चुनाव है, लेकिन न किसानों के मुद्दों का शोर है, न व्यापारियों की परेशानी पर बात हो रही है। किसान सरकार की नीतियों और बीती घोषणाओं पर अधूरे अमल से नाखुश हैं। व्यापारी परेशान हैं कि नियम कायदों में व्यापार-कारोबार को उलझा दिया गया है। आम उपभोक्ताओं को साधने के चक्कर में बाजार से जुड़े किसान और व्यापारी दोनों के हितों का नुकसान हो रहा है। हालांकि चुनाव में इन मुद्दों का शोर मचना तो दूर इन पर बात तक नहीं हो रही है।इंदौर और मालवा क्षेत्र को गेहूं-चने के साथ सोयाबीन उपजाने का गढ़ माना जाता है। खरीफ के सीजन में सोयाबीन के दाम इस साल निम्न स्तर पर रहे। सीजन बीतने के बाद अब तक सोयाबीन के दाम नीचे बने हुए हैं। किसान परेशान हैं कि उन्होंने दाम बढ़ने की उम्मीद में उपज संग्रहित रखी, लेकिन अब तक उसके दाम नहीं मिल रहे। रबी में अब गेहूं की फसल आ गई।

पहले ऐलान हुआ था कि गेहूं के दाम 2700 रुपये प्रति क्विंटल दिए जाएंगे। असल में हो ये रहा है कि सरकार ने 2275 रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य घोषित किया है। मप्र सरकार ने 125 रुपये इस पर बोनस भी घोषित किया। हालांकि किसान नाखुश हैं। भारतीय किसान व मजदूर सेना के बबलू जाधव कहते हैं कि 2700 के बजाय सिर्फ 2275 रुपये पर गेहूं खरीदा जा रहा है। बोनस सिर्फ धोखा है। इससे पहले 2019 में प्याज पर भावांतर की राशि की घोषणा की थी। उसी दौर में गेहूं पर भी बोनस घोषित हुआ था। उन वर्षों के बोनस का पैसा भी किसानों को अब तक नहीं मिला है। जिले में किसानों के बोनस के करोड़ों रुपये अब तक जारी नहीं किए गए हैं। अब फिर से सवा सौ रुपये बोनस की घोषणा तो की गई, लेकिन असल में खरीदी तो सिर्फ 2275 रुपये के दाम पर हो रही है। बोनस कब मिलेगा, राशि कब जारी होगी, इसकी कोई मियाद तय नहीं है। मिलेगा या नहीं ये भी पता नहीं।

व्यापारी भी खरीद नहीं रहे

किसानों की पीड़ा भी बाजार से जुड़ गई है। दरअसल, सरकार ने व्यापारियों के दाल-दलहन के साथ गेहूं के स्टाक पर भी नियंत्रण कर दिया है। दलहन पर स्टाक सीमा लगा दी है। गेहूं के स्टाक को हर सप्ताह सरकारी पोर्टल पर घोषित करने की घोषणा की है। व्यापारी कह रहे हैं कि व्यापार पर इतने अंकुशों के चलते बाजारों में काम करना मुश्किल हो गया है। स्टाक सीमा और नियमों से इंस्पेक्टर राज बढ़ रहा है। व्यापारी भी किसानों का माल खरीदने से हिचक रहे हैं। ऐसे में बाजार में भी किसानों को अपेक्षा के अनुरूप दाम नहीं मिल रहे।

मंडी की समस्या पर मूंदी आंखें

इंदौर जैसी बड़ी मंडी के साथ प्रदेश की तमाम कृषि उपज मंडियों में व्यापारी मंडी बोर्ड के रुख और अव्यवस्था से परेशान हैं। व्यापारियों के अनुसार, मंडी टैक्स तो मुद्दा है ही। 31 मार्च तक सभी खानापूर्ति आनलाइन करने के बाद भी मंडी की ओर से व्यापारी का सर्टिफिकेट और आडिट अप्रूव नहीं किया जाता। तमाम दावों के बावजूद आनलाइन सिस्टम फेल है और व्यापारी भ्रष्टाचार से जूझ रहा है। इंदौर जैसे शहर की मंडी के विस्थापन की बात वर्षों से हो रही है, लेकिन अब तक जमीन भी आवंटित नहीं हुई है। रात 11 बजे बाद गाड़ियों को आने की अनुमति दी जाती है। ऐसे में व्यापार हो तो कैसे होगा। छावनी मंडी के व्यापारी हीरालाल अगीवाल कहते हैं कि मंडी बोर्ड के लायसेंस का नवीनीकरण और टैक्स का सत्यापन करवाना किसी पहाड़ चढ़ने से कम नहीं होता।

कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि सरकार की अर्थनीति फेल होने का खामियाजा किसान और व्यापारी दोनों उठा रहे हैं। कांग्रेस के उद्योग व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अजय चौरड़िया के अनुसार, महंगाई का मुद्दा चुनाव में तूल ने पकड़े इसलिए सरकार उचित समर्थन मूल्य नहीं दे रही। दूसरी ओर व्यापारियों को स्टाक लिमिट व अन्य नियम बताकर दबा रही है। असल में यह नीतिगत विफलता है। गेहूं के समर्थन मूल्य पर भी सरकार ने वादा तोड़ा है। कांग्रेस ने गेहूं का समर्थन मूल्य 2700 रुपये देने की घोषणा की है। किसानों को मंडी टैक्स से राहत भी हमारे मुद्दों में शामिल है।

दैनिक सद्भावना पाती
इंदौर, बुधवार 03 अप्रैल, 2024

असमान धरातल पर लड़ा जाएगा लोकसभा चुनाव

● विपक्ष को कंगाल कर भाजपा जीतना चाहती है चुनाव ● भयभीत भाजपा सरकार ने बदले सुर

हरनाम सिंह

चुनाव आयोग, ईडी, सीबीआई, स्टेट बैंक, आयकर विभाग,गोदी मीडिया, पीएम केयर फंड जैसे शस्त्रों से लदी भारतीय जनता पार्टी उस चुनावी मैदान में उतर चुकी है, जहां लगभग कंगाल की मुद्रा में विपक्ष पहुंचेगा।भाजपा सरकार द्वारा विपक्षी दल के नेताओं के घरों पर छापे डाले जा रहे हैं, मुख्यमंत्रियों- मंत्रियों को जेल में भेजा जा रहा है। विधायकों, सांसदों की खरीद फरोख्त और दल बदल जारी है। इन सब के बीच सरकार द्वारा विपक्ष की आय के आर्थिक स्रोतों पर रोक लगाकर उसे दीन- हीन मुद्रा में ला खड़ा किया है। असमान धरातल पर होने वाले इस चुनाव की निष्पक्षता पर अंतरराष्ट्रीय जगत भी आशंकित है। जर्मनी, अमेरिका के बाद संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव की चिंता सामने आ चुकी है। चुनाव परिणाम ईवीएम के जरिए घोषित होना है तो यह भी संदेह का वाजिब कारण है। इस पूरे घटनाक्रम के बीच भारतीय मतदाता को देश में बर्बाद हो रहे लोकतंत्र की कितनी चिंता है ? उसकी अभिव्यक्ति रामलीला मैदान में सामने आ चुकी है। सोमवार 1 मार्च को सर्वोच्च न्यायालय में आयकर विभाग ने चुनाव के दौरान कांग्रेस पर कोई कार्यवाही नहीं करने की बात कही है।

भाजपा के आय का स्रोत आज भी जीवित है

सर्वोच्च न्यायालय द्वारा इलेक्टोरल बांड से धन वसूली पर प्रतिबंध लगाने से पहले ही भाजपा इस बांड के जरिए सर्वाधिक चंदा ले चुकी थी। हालांकि उस चंदे का कुछ हिस्सा कांग्रेस सहित गैर वामपंथी पार्टियों और क्षेत्रीय दलों को भी मिला था। विपक्षी दल उस धन का उपयोग चुनाव में न कर पाए इसके लिए भाजपा सरकार द्वारा आयकर विभाग के जरिए विपक्षी दलों को करोड़ों रुपए के आर्थिक दंड के नोटिस जारी कर वसूली की कार्यवाही की जा रही है। और तो और आयकर विभाग ने भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी को भी पुराने पेन कार्ड के जरिए हिसाब देने के कथित अपराध में 11 करोड़ रुपए अर्थदंड जमा करने का नोटिस दिया है। सभी जानते हैं कि देश की कम्युनिस्ट पार्टियां पूंजीपतियों, कॉर्पोरेट घरानों से चंदा नहीं लेती है। उनका मानना है कि देश के आवाम के हितों के खिलाफ बनने वाली नीतियों में इनका ही बड़ा हाथ होता है। ये कम्युनिस्ट पार्टियां ही थी जिन्होंने इलेक्टोरल बांड के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर कर भाजपा के भ्रष्टाचार और अवैध वसूली को बेनकाब करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

जीवित है पीएम केयर फंड

इलेक्टोरल बांड पर फैसला आने में न्यायालय की देरी और फैसले की अग्रिम जानकारी होने पर भाजपा ने पहले से ही अरबों रुपए जमा कर लिए थे। बांड पर प्रतिबंध लग जाने के बाद भी भाजपा की आय का एक बड़ा स्रोत ÷पीएम केयर फंड के नाम से ट्रस्ट आज भी जीवित है। इस फंड की जानकारी सूचना के अधिकार अधिनियम के दायरे से बाहर है। अर्थात देश के नागरिकों को यह जानने का अधिकार नहीं है कि प्रधानमंत्री के पास कितना धन जमा है। इस फंड में किन लोगों और देशी विदेशी कंपनियों ने योगदान दिया है। प्रधानमंत्री संग्रहित धन का उपयोग कैसे करते हैं ? ऐसी ही शर्तें इलेक्टोरल बांड के साथ भी जुड़ी हुई थी। अब पीएम केयर फंड किसकी केयर करता रहा है यह सहज ही समझा जा सकता है।

मेरी मर्जी

आयकर विभाग ने चुनाव प्रक्रिया के मध्य में जिन गलतियों को आधार बनाकर मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस पर 3567 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया है उसका निहितार्थ आर्थिक नहीं राजनीतिक है। वैसी ही गलतियां भारतीय जनता पार्टी ने भी अपने हिसाब में की है। लेकिन आयकर विभाग के अधिकारियों ने कभी भी नोटिस देकर भाजपा नेताओं से जवाब- तलब करने का साहस नहीं बताया है। विभाग के अधिकारी जिस निर्लज्जता से विपक्षी दलों को निशाना बनाकर चुनाव के मैदान में उतारने के पूर्व ही पंगू बना रहे हैं, देश के मतदाता देख और समझ रहे हैं। स्थिति यह है कि कांग्रेस को मीडिया संस्थानों से उधार में विज्ञापन प्रकाशित करने का अनुरोध करना पड़ रहा है।

जन और अंतरराष्ट्रीय दबाव में है मोदी सरकार

सोमवार को आयकर विभाग में सर्वोच्च न्यायालय में हलफनामा देकर कहा कि चुनाव के दौरान वह कांग्रेस से 3567 करोड़ रुपए की वसूली नहीं करेगी। अगली सुनवाई 24 जुलाई अर्थात चुनाव के बाद तय की गई है। कांग्रेस के वकील ने न्यायालय को बताया कि विभाग उनके 135 करोड़ रुपए पहले ही जब्त कर चुका है। सरकार की अचानक उभरी इस उदारता को विश्लेषक जनता का दबाव एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हो रही आलोचना मान रहे हैं। दिल्ली के रामलीला मैदान में विपक्षी दलों की एकता और रैली में उमड़े जन सैलाब के संकेतों से भाजपा सरकार भयभीत है। अधिकारी भी डरे हुए हैं। विगत दिनों राहुल गांधी ने अपने एक बयान में कहा था की कभी तो यह सरकार बदलेगी, तब नई सरकार ऐसी कार्यवाही करेगी कि भविष्य में कोई भी विभाग किसी पर भी अन्याय के बारे में नहीं सोच सकेगा।

क्या है कांग्रेस का गुनाह

आयकर विभाग का आरोप है कि कांग्रेस पार्टी द्वारा दिए गए हिसाब में चंदा देने वालों के नाम और पते नहीं है। इस कथित गलती पर विभाग ने कांग्रेस को 3567 करोड़ रुपए जमा करवाने का नोटिस जारी किया है। उल्लेखनीय है कि इसके पहले भी आयकर विभाग कांग्रेस के 135 करोड़ रुपए जप्त कर चुका है। पार्टी के 23 विधायकों और सांसदों द्वारा पार्टी फंड में 14 लाख रुपए जमा करवाए गए थे। उस हिसाब की तकनीकी खामियों को आधार बनाकर आयकर विभाग ने दंड ब्याज सहित 135 करोड़ रुपए कांग्रेस के खाते से निकल लिए।

जिस पैमाने को आधार बनाकर विभाग ने कांग्रेस पर जुर्माना लगाया है वैसी ही गलतियां भाजपा ने भी की है। लेकिन विभाग का रवैया ÷मेरी मर्जी÷ जैसा है। मानो देश में कोई नियम- कानून है ही नहीं। भाजपा ने भी अपने हिसाब में करोड़ों रुपए चंदा देने वाले कई लोगों के नाम पते नहीं बताए हैं। ऐसे लोगों की संख्या कांग्रेस को मुकाबला कई गुना अधिक है। भाजपा द्वारा विभाग को सौंप गए दस्तावेजों में 1297 लोगों के नाम पते नहीं है। आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार जिस पैमाने पर कांग्रेस को नोटिस जारी किया गया है इस आधार पर भाजपा पर 4600 करोड़ रुपए की पेनल्टी लगना चाहिए। लेकिन अन्याय पर उतारू आयकर विभाग और इस समस्त प्रक्रिया पर आंखें मूंदे निर्वाचन आयोग गूंगा बहरा बना हुआ।

पीएम केयर फंड

देश में 1948 में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष स्थापित किया गया था। पारदर्शी व्यवस्था के तहत सभी प्रधानमंत्रियों द्वारा कोष में आने वाले धन और राहत पाने वालों की जानकारी सार्वजनिक की जाती थी। वर्ष 2020 में कोरोना पीड़ितों को राहत पहुंचाने के नाम पर प्रधानमंत्री मोदी द्वारा ÷पीएम केयर फंड÷ के नाम से एक ट्रस्ट का गठन किया गया। इस ट्रस्ट के गठन के दस्तावेज सार्वजनिक पटल पर नहीं है। भारत सरकार के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस फंड के अध्यक्ष हैं और ट्रस्ट में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को लिया गया है। केंद्र और राज्य सरकारों ने शासकीय कर्मचारियों के वेतन से धनराशि काटकर इस फंड में चंदा भेजा था। 57 सरकारी कंपनियों को 2913 करोड़ रुपए फंड में जमा करवाने के लिए विवश किया गया था । कोरोना काल में इस फंड से गुजरात की चहेती कंपनी से घटिया वेंटिलेटर खरीदे गए थे जो उसी समय अटाला बन चुके थे।

कोरोना काल में श्मशान घाटों पर अनवरत जलती चिताएं, नदियों में बहाए गए शव, अस्पतालों में तड़पते रोगियों की पीड़ा, सैकड़ो किलोमीटर पैदल चलने पर विवश किये गए मजदूरों को इस फंड से कितना लाभ पहुंचा यह तो ज्ञात नहीं है। पर देश के कई जिलों में पांच सितारा सुविधायुक्त भाजपा कार्यालय आवश्यक बन गए हैं। चुनाव में भी यह फंड भाजपा को कितना लाभ पहुंचाएगा विचार करके देखिए।

सी-विजिल एप की 80 शिकायतों का त्वरित निराकरण

निर्वाचन संबंधी शिकायतों के त्वरित निराकरण में मददगार हो रहा है सी-विजिल एप

इंदौर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार इंदौर जिले में निर्वाचन संबंधी शिकायतों का त्वरित और समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है। निर्वाचन संबंधी शिकायतों के त्वरित निराकरण में सी-विजिल एप बेहद मददगार हो रहा है। जिले में लोकसभा चुनाव के मद्देनजर लागू आचार संहिता के बाद से सी-विजिल एप के माध्यम से अब तक प्राप्त 80 शिकायतों का त्वरित और निर्धारित समय-सीमा में निराकरण किया गया।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष सिंह ने निर्वाचन संबंधी शिकायते प्राप्त करने तथा उनके निराकरण के लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन कार्यालय में कंट्रोल रूम भी स्थापित किया है। यह कंट्रोल रूम 24ङ्क7 कार्य कर रहा है। प्रदेश में 16 मार्च से आदर्श चुनाव आचरण संहिता लागू होते ही सी-विजिल एप पर शिकायतें प्राप्त होने लगी हैं। आज दिनांक तक इंदौर जिले में उक्त एप के माध्यम से कुल 80 शिकायतें प्राप्त हो चुकी हैं। इन सभी शिकायतों का त्वरित निराकरण कर दिया गया है।

नागरिकों से अनुरोध किया गया है कि यदि वे निर्वाचन में आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन से जुड़ी किसी भी प्रकार की सीधी शिकायत करना चाहते हैं, तो वे सी-विजिल एप के माध्यम से कर सकते हैं। इसके लिए संबंधित नागरिक को गूगल प्ले स्टोर पर जाकर सी-विजिल एप डाउनलोड करना होगा। इसके लिए नागरिक को ऐसी किसी भी घटना की जानकारी होने पर फोटो या वीडियो सी-विजिल एप पर अपलोड करना होगा। शिकायत मिलने पर अगले 100 मिनट के भीतर कार्यवाही की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा आदर्श चुनाव आचरण संहिता के उल्लंघन वाली शिकायतों के निवारण के लिए सी-विजिल एप तैयार किया गया है। इस एप के जरिए कोई भी नागरिक राजनैतिक दलों या प्रत्याशियों द्वारा मतदाताओं को लुभाने के लिए किसी भी तरह से धन, सामग्री, कपड़े, जेवरात आदि का वितरण करने, मतदाताओं को उनके पक्ष में मतदान करने के लिए धमकाने, मतदाताओं को स्वयं के वाहन से परिवहन करने, किसी भवन स्वामी की अनुमति के बिना उसके भवन या दीवारों या परिसर पर प्रचार सामग्री लगाने या दीवार पर विज्ञापन लिखवाने सहित अन्य प्रकार की शिकायतें कर सकता है।द्व

7 नये सेक्टर अधिकारी नियुक्त

-चुनाव संपन्न कराने के लिए जारी किया आंशिक संशोधन

-सेक्टर अधिकारियों को दिया आदेश

इंदौर। इंदौर जिले में स्वतंत्र एवं निष्पक्ष रूप से लोकसभा निर्वाचन सम्पन्न कराने के लिए जारी सेक्टर अधिकारियों के आदेश में आंशिक संशोधन किया गया है। अपर कलेक्टर एवं समन्वयक नोडल कार्मिक प्रबंधन श्रीमती सपना लोवंशी ने पूर्व मे आसंजित 7 सेक्टर अधिकारियों को मुक्त करते हुए उनके स्थान पर नये सेक्टर अधिकारियों की नियुक्ति की है।

सेक्टर अधिकारियों के संबंध में जारी आदेश के अनुसार केंद्रीय जल संसाधन के डिप्टी डायरेक्टर(सिविल) राजेश कुमार मिश्रा, सहायक यंत्री दर्पण कनौजिया, महिला सशक्तिकरण अधिकारी प्रतिक सिंह झाला, पशु स्वास्थ्य एवं जैविक उत्पाद संस्थान के अधिकारी अचिन्त्य दीक्षित, मुख्य अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की सहायक यंत्री पद्मा गोमे, केंद्रीय जल संसाधन के अधिकारी दीपक मालवीय तथा माता जीजाबाई शासकीय स्नातकोतर कन्या महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी रामेन्द्र सिंह तोमर को सेक्टर अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है।

राजवाड़ा-2-रेसीडेंसी

बात यहां से शुरू करते हैं...

मक्खन पर नहीं, पत्थर पर लकीर खींचेंगे मोदी

अरविंद तिवारी

मध्यप्रदेश के भाजपा नेताओं को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बड़ी नसीहत दे दी। प्रदेश के ज्यादा से ज्यादा क्षेत्रों में प्रधानमंत्री की सभा कराने के प्रस्ताव को मोदी ने एक सिरे से खारिज करते हुए कहा कि वे केवल वहीं सभा लेंगे, जहां भाजपा कड़े मुकाबले में है और उनके पहुंचने से पार्टी उम्मीदवार को फायदा मिले। बकौल मोदी मैं मक्खन पर नहीं बल्कि पत्थर पर लकीर खींचने में भरोसा रखता हूं। प्रधानमंत्री के रुख को देखते हुए यह तो साफ हो गया है कि अब इंदौर, भोपाल, ग्वालियर और जबलपुर जैसे संसदीय क्षेत्रों में उनकी सभा की कोई संभावना नहीं है। वैसे इन क्षेत्रों के भाजपा उम्मीदवार भी खुद को जीता हुआ मानकर ही चल रहे हैं।

मुख्यमंत्री के अंदाज से हैरान हैं वरिष्ठ मंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के अंदाज में उनके मंत्रिमंडल के वरिष्ठ मंत्रियों को चौंका रखा है। जब यादव की ताजपोशी हुई थी, तब उनसे नजदीकी को लेकर बड़े-बड़े दावे किए गए थे। मंत्रिमंडल के गठन के बाद कुछ मंत्रियों ने यह अहसास कराने की कोशिश भी की थी कि वे जैसा चाहेंगे, यादव वैसा ही करेंगे। यादव भी शुरू में भाजपा की राजनीति में अपने से वरिष्ठइन नेताओं को पूरा सम्मान देते रहे। अब स्थिति उलट है। यादव ने इन दिग्गजों को झटका देना शुरू कर दिया है और जिस काम में यह मंत्री रुचि दिखाते हैं, उसके विपरीत आदेश हो जाते हैं। ये तो शुरुआत है, आगे देखते हैं और क्या-क्या होता है।

सिंधिया हाउस में पुरुषोत्तम पाराशर की वापसी

एक राजनीतिक रणनीतिकार के रूप में अपनी एक अलग पहचान रखने वाले पुरुषोत्तम पाराशर की आखिरकार सिंधिया हाउस में वापसी हो गई। मध्यप्रदेश में 2020 में तख्तापलट के कुछ महीने बाद पाराशर ज्योतिरादित्य सिंधिया के ओएसडी की भूमिका छोड़ अपने मूल विभाग में लौट गए थे। इस बार के विधानसभा चुनाव के पहले से उनकी वापसी की चर्चाएं जोर पकड़े हुई थी। कहा जा रहा था कि नए साल की पहली तारीख को जब सिंधिया अपना जन्मदिन मनाते हैं, पाराशर फिर उनके साथ नजर आएंगे। ऐसा हुआ नहीं, तो लगा कि बात आई-गई हो गई, लेकिन मार्च के पहले पखवाड़े में 27, सफदरजंग पर उनकी आमद हो गई। इन दिनों वे गुना-शिवपुरी संसदीय क्षेत्र में सिंधिया को मजबूत करने में लगे हैं।

लोकसभा चुनाव के बाद अस्तित्व में आएंगे संघ के बड़े बदलाव

नागपुर की राष्ट्रीय प्रतिनिधि सभा में मध्यप्रदेश संघ पदाधिकारियों में बड़े बदलाव किए गए। मध्य क्षेत्र में नए क्षेत्र प्रचारक की तैनाती का निर्णय लिया गया और इंदौर तथा भोपाल को नए क्षेत्र प्रचारक मिले। वर्तमान में क्षेत्र और प्रांत प्रचारक का दायित्व निभा रहे दीपक विसपुते और बलिराम पटेल केंद्र में नई भूमिका में लाए गए हैं। संघ के ये बदलाव चर्चा में तो हैं, पर अस्तित्व में लोकसभा चुनाव के बाद आएंगे। संघ का तर्क इससे इतर है। उनका कहना है कि गर्मी में लगने वाले संघ शिक्षा वर्ग के बाद ही नए पदाधिकारी नई भूमिका में आएंगे।

...कांग्रेस छोड़ रहे नेता और 75 पार के दिग्विजय का संघर्ष

दिग्विजय सिंह राजगढ़ में मैदान संभाल चुके हैं और भाजपा को निशाने पर लेने में कोई कसर बाकी नहीं रख रहे हैं। वे एकमात्र ऐसे नेता हैं जो भाजपा के नेताओं को कटघरे में खड़ा करने का कोई मौका हाथ से जाने नहीं देते। यह सब उस दौर में हो रहा है, जब कांग्रेस छोड़ने वाले नेताओं की फेहरिस्त दिन-ब-दिन लंबी होती जा रही है। दिग्विजय के मैदान में आने के बाद राजगढ़ संसदीय क्षेत्र में कांग्रेस को नई जान मिल गई है और सालों से घर में बैठे नेता उनके साथ मैदान संभालने लगे हैं। कुछ भी कहो जिस अंदाज में राजा ने मैदान संभाला है, राजगढ़ का चुनाव चर्चा में तो आ गया है।

रस्तोगी मानने को तैयार नहीं, अफसर सुनने को तैयार नहीं

आधी रात को मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव पद से बेदखल किए गए मनीष रस्तोगी, राघवेंद्र सिंह की भलमनसाहत के कारण जैसे-तैसे मंत्रालय की मुख्यधारा में वापसी कर पाए। लगा था इस पारी में कुछ बदले-बदले से रहेंगे, लेकिन जिस अंदाज में अपने ही विभाग के सचिव ललित दाहिमा से उनकी भिड़ंत हुई, उससे यह साफ हो गया कि मिजाज अभी भी वही है, जो शिवराज के जमाने में थे। दाहिमा भी चुप बैठने वाले अफसरों में नहीं हैं, वे मुख्य सचिव के पास पहुंचे और दमदारी से अपनी बात रखने के बाद फिर काम में लग गए। वैसे रस्तोगी के गाहे-बगाहे इस तरह आपा खो बैठने के पीछे का कारण समझना टेढ़ी खीर ही है।

कलेक्टर का एक झटका और अग्रवाल समूह नतमस्तक

खुद को नियम-कायदों से ऊपर समझने वाले इंदौर के अग्रवाल और चमेलीदेवी पब्लिक स्कूल के संचालकों को इंदौर कलेक्टर आशीष सिंह ने एक झटके में ठीक कर दिया। आरटीई के तहत कमजोर वर्ग के बच्चों को अपने स्कूल से बेरंग लौटाने वाले स्कूल संचालक कलेक्टर के कड़े तेवर के चलते कुछ ही घंटे बाद पलक पावड़े बिछाते नजर आए। स्कूल प्रबंधन प्रशासन के सामने नतमस्तक हो गया है और यह आश्वासन भी दिया गया है कि भविष्य में ऐसी गलती नहीं होगी। इसी को कहते हैं प्रशासन का रुतबा।

चलते-चलते- पता नहीं क्यों उज्जैन के शराब ठेके एक ही समूह को जाने के बाद भाजपा के कुछ नेता बहुत ज्यादा मुखर हो गए हैं। ये लोग दिल्ली में पार्टी के बड़े नेताओं के कान भरने में लगे हैं और यह दावा भी कर रहे हैं कि नतीजा लोकसभा चुनाव के बाद देखने को मिलेगा।

पुछल्ला- सख्त छवि वाले आईपीएस अफसर अनुराग के इंदौर ग्रामीण रेंज का आईजी बनने के बाद सबसे ज्यादा परेशान वह शराब लाबी है जो जो अभी तक धार, झाबुआ और अलीराजपुर के पुलिस और आबकारी अधिकारियों से सांठगांठ कर गुजरात कनेक्शन को मजबूत रखे हुए थी। खुद को कई अफसर का खास बताने वाले इस लॉबी के एक बड़े ब्रोकर पर भी शिकंजा कसने की तैयारी है।

बात मीडिया की

- टीवी पत्रकारिता के चित परिचित चेहरे बृजेश राजपूत की अगवाई में विस्तार टीवी का 1 अप्रैल से आगाज हो गया है। एक बड़ी टीम के साथ राजपूत ने मैदान संभाल लिया है। पर्दे के पीछे मुकेश श्रीवास्तव इस चैनल के कर्ताधर्ता है।
- हिंदुस्तान मेल को अलविदा कहने के बाद वरिष्ठ पत्रकार कीर्ति राणा ने अब खुलासा फर्स्ट में समूह संपादक की जिम्मेदारी संभाल ली है।
- लंबे समय तक पत्रिका इंदौर में सिटी चीफ की भूमिका निभा रहे प्रमोद मिश्रा अब पत्रिका रतलाम के संपादकीय प्रभारी हो गए हैं।
- पहले न्यूज टुडे में विशेष संवाददाता और बाद में पत्रिका में सीनियर रिपोर्टर के रूप में भाजपा, संघ और कलेक्टोरेट बीट में अलग पहचान बनाने वाले मोहित पांचाल अब पत्रिका इंदौर के सिटी चीफ हो गए हैं।
- प्रजातंत्र में लंबे समय तक सेवाएं दे चुके विनोद शर्मा ने अब हिंदुस्तान मेल में बल्लेबाजी शुरू कर दी है। वे यहां? डिप्टी एडिटर की भूमिका में टीम का नेतृत्व करेंगे।
- लोकसभा चुनाव को लेकर अलग-अलग अखबारों के इंदौर संस्करण में विशेष टीम बनाई गई है, जिसके जिम्मे मालवा-निमाड़ के 8 संसदीय क्षेत्रों का कवरेज रहेगा।

जल बजट बनाएगा इंदौर नगर निगम

इंदौर। शहर का जल स्तर तेजी से गर्त में जा रहा है। फिलहाल इंदौर 80 एमएलडी पानी की कमी से जूझ रहा है, लेकिन यह विकरालता बढक़र किसी भी स्तर तक पहुंच सकती है। उस स्थिति से निपटने के लिए इंदौर में महापौर ने दो संस्थाओं के साथ मिलकर जनचेतना अभियान का बीड़ा उठाया है। इसके लिए निगम द्वारा जहां प्रशासनिक स्तर पर प्रयास किए जाएंगे, वहीं लोगों को भविष्य में होने वाले जल संकट से आगाह करने और जनचेतना जगाने के लिए आज से अभियान शुरू किया जा रहा है। इससे पहले महापौर ने समाचार पत्र संपादकों और पत्रकारों से चर्चा कर उनके सुझाव लिए, जिन्हें आज होने वाली जनबैठक में साझा किया जाएगा। महापौर पुष्यमित्र भार्गव इससे पहले सौर ऊर्जा के लिए संकल्पित करने के प्रयास कर चुके हैं। अब इंदौर में जल संकट की भविष्य की स्थिति से निपटने के लिए जनचेतना से लेकर भूजल स्तर बढ़ाने के तमाम प्रयास की तैयारी की जा रही है। संस्था संग मित्र व विश्रम द्वारा नगर निगम के तत्वावधान में शुरू किए जा रहे वंदे जलम अभियान के तहत वर्षा के पानी को संजोने के लिए लोगों को जहां चैतन्य किया जाएगा, वहीं भूजल स्तर बढ़ाने के लिए वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने के लिए प्रेरित भी किया जाएगा। महापौर ने बताया कि हर वर्ष उन क्षेत्रों के लिए टैंकर जुटाना होते हैं, जहां पानी की कमी है। इसके लिए जहां पानी की उपलब्धता है, वहां से पानी लिया जाता है, लेकिन अब उनकी क्षमता भी घटने लगी है। ऐसे में भविष्य में इंदौर बेंगलुरु की तरह किसी बड़ी मुसीबत में फंस सकता है, जहां पानी की राशनिंग की जा रही है। उन्होंने बताया कि शहर 80 एमएलडी पानी की कमी से गुजर रहा है और यह भी तब संभव है, जब हम नर्मदा का भरपूर दोहन कर रहे हैं। ऐसे में हमें वर्षा के पानी को सुरक्षित करने के प्रयास करना चाहिए। इसके लिए जहां तालाबों का गहरीकरण किया जा रहा है, वहीं निजी भवनों में पांच हजार से अधिक रेन वाटर हर्वेस्टिंग सिस्टम लगाए जाने का अभियान शुरू किया जाएगा। इसके अलावा औद्योगिक भवनों पर एक हजार एवं सरकारी बगीचों, अस्पतालों और होटलों में एक हजार सिस्टम लगाए जाएंगे।

कक्षा पहली, छठी और 9वीं की किताबें बदलने की तैयारी में सीबीएसई, एनसीईआरटी कर रहा काम

अगले सत्र से नई व्यवस्था होगी लागू

स्कूली बच्चों से पढ़ाई का बोझ कम करने व उन्हें स्किल्ड करने के लिए केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) पहली, छठी और 9वीं कक्षा की किताबें बदलने की तैयारी कर रहा है। एनसीईआरटी (नेशनल काउंसिल ऑफ एजुकेशन रिसर्च एंड ट्रेनिंग) इस पर काम कर रहा है। संभवत- अगले सत्र (2025-26) से नई व्यवस्था लागू हो जाएगी।

9वीं के विद्यार्थियों को आने वाले समय में 9 के बजाए 10 विषयों की पढ़ाई करना होगा। सभी में पास होने के बाद ही 10वीं में प्रमोशन दिया जाएगा। 9वीं की पढ़ाई में थ्री लैंग्वेज सिस्टम लागू किया जाएगा। हिंदी, अंग्रेजी के अलावा एक क्षेत्रीय भाषा चुनना होगी। इस तरह तीन लैंग्वेज, तीन कोर सब्जेक्ट्स (साइंस, मैथ्स, सोशल साइंस) और चार स्किल सब्जेक्ट (आईटी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, फिजिकल एजुकेशन, आर्ट, डिजाइन थिंकिंग सहित अन्य में से) की पढ़ाई होगी। 9वीं के स्टूडेंट्स यदि फ्रेंच या जर्मन जैसी भाषा सीखना चाहता हैं तो वे अतिरिक्त विषय के रूप में उसे चुन सकेंगे, यह उनके लिए 11वां विषय होगा। सीबीएसई ने इन बदलाव से जुड़ा प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा है। संभवत- 2025-26 सत्र से नई व्यवस्था लागू हो जाएगी।

● एनसीईआरटी कर रहा नई किताबों पर काम

एनसीईआरटी पहली, छठी और 9वीं कक्षा के लिए नई किताबों को लेकर काम कर रहा है। बच्चों से पढ़ाई का प्रेशर कम करने सहित उन्हें स्किल्ड करने पर फोकस किया जा रहा है। पहले 2024-25 सत्र से ही नई किताबें कोर्स में शामिल करने की योजना थी, लेकिन काउंसिल सदस्यों में आम सहमति नहीं होने से इस सत्र में पुरानी किताबें ही पढ़ाई जाएंगी।

2025-26 के सत्र में पांचवीं और आठवीं के स्टूडेंट्स के लिए नो डिटेंशन पॉलिसी लागू करने पर भी विचार किया जा रहा है। इसके तहत यदि किसी स्टूडेंट्स को 25 फीसदी से कम नंबर आते हैं या उसकी उपस्थित 75 फीसदी से कम है तो अगली क्लास में प्रमोट नहीं किया जाएगा। अब तक पहली से आठवीं तक किसी को फेल नहीं करने को लेकर नो डिटेंशन पॉलिसी लागू है।

सालभर में 800 घंटे की पढ़ाई जरूरी

सीबीएसई ने अगले (2024-25) सत्र में स्कूलों को स्टूडेंट्स को साल में 800 घंटे पढ़ाने की अनिवार्यता से पालन करने के सख्त आदेश दिए हैं। नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क के तहत पढ़ाई के घंटों के आधार पर स्टूडेंट्स को क्रेडिट प्वाइंट मिलेंगे, जो उनके डीजी लॉकर में जमा होंगे। 30 घंटे पढ़ने पर एक क्रेडिट प्वाइंट मिलेगा। छठी कक्षा में नए सत्र में छठी कक्षा में विद्यार्थियों को 6 के बजाए 8 विषयों की पढ़ाई करना होगी। हिंदी और अंग्रेजी के अलावा एक क्षेत्रीय भाषा और एक स्किल सब्जेक्ट (आईटी, एआई, फिजिकल एजुकेशन, आर्ट सहित अन्य में से) का चुनाव करना होगा।

खंड़वा रोड स्थित डीएवीवी कैंपस के गेट पर बड़ा हादसा - सिटी बस से चार छात्राएं गिरी, हालात गंभीर

कार को बचाने में बस अनियंत्रित हुई

इंदौर। इंदौर के खंड़वा रोड स्थित डीएवीवी कैंपस के गेट के सामने मंगलवार शाम बड़ा हादसा हो गया। घटना में चार छात्राएं सिटी बस से बाहर गिर गई। बताया जाता है कि अचानक सिटी बस के सामने कार आ गई। सिटी बस ड्राइवर ने कार को बचाने के लिए अचानक इमरजेंसी ब्रेक लगा दिया। इससे बस में सवार छात्राएं गेट से बाहर गिर गई। हादसे में चारों छात्राएं घायल हुई हैं, एक छात्रा का पैर बुरी तरह से जख्मी हुआ है जबकि 2 छात्रों की हालत गंभीर है। हादसा खंड़वा रोड स्थित डीएवीवी कैंपस के गेट के सामने हुआ। मामले में जाँच जारी है।

स्नातक अंतिम वर्ष का मूल्यांकन 20 अप्रैल के बाद होगा शुरू

इंदौर। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के अंतर्गत देवी अहिल्या विश्वविद्यालय ने मार्च से स्नातक अंतिम वर्ष की परीक्षाएं रखी है। छात्र-छात्राओं की उत्तर पुस्तिका की जांच को लेकर विश्वविद्यालय ने रुपरेखा बनाई है। अब 20 अप्रैल से मूल्यांकन कार्य शुरू किया जाएगा। मगर उसे पहले विश्वविद्यालय प्रशासन कापियां जांचने के लिए कुछ नए शिक्षकों को मूल्यांकनकर्ता बना सकता है। अधिकारियों के मुताबिक, करीब 250-300 के बीच नए मूल्यांकनकर्ता बनाए जाएंगे।

इसके पीछे वजह यह है कि प्रवेश प्रक्रिया से पहले विद्यार्थियों को रिजल्ट देना है, क्योंकि जुलाई में ये स्नातकोत्तर में प्रवेश लेंगे।विश्वविद्यालय के सामने इस बार यूजी अंतिम वर्ष की परीक्षा करवाना थोड़ा चुनौतीभर है, क्योंकि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने सीयूईटी पीजी के दौरान शैक्षणिक संस्थानों को किसी भी अन्य पाठ्यक्रम की परीक्षा नहीं करवाने को लेकर जनवरी में पत्र जारी किया। ऐसे में विश्वविद्यालय ने भले ही 5 मार्च से परीक्षा रखी हो, जिसमें बीए, बीकाम, बीएससी, बीएचएमएस, बीडब्ल्यूएस सहित अन्य कोर्स शामिल है। मगर सीयूईटी की वजह से 10 से 30 मार्च के बीच स्नातक अंतिम वर्ष की परीक्षा में ब्रेक देना पड़ा है। दिक्कतें यही खत्म नहीं हुई है।

अब अप्रैल में परीक्षाएं शुरू हो गई है, लेकिन मई में मध्य प्रदेश के अधिकांश जिलों में लोकसभा चुनाव है। इसके चलते विश्वविद्यालय ने मई-जून में बीए-बीएससी के पेपर को आगे बढ़ने पर विचार कर रहा है। इसके संबंध में निर्णय अगले कुछ दिनों में लिया जाएगा।

ऐसे में रिजल्ट पर असर पड़ सकता है। इसके चलते विश्वविद्यालय ने मूल्यांकन जल्द शुरू करवाने पर जोर दिया है। 20 अप्रैल से सभी पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों की उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन शुरू किया जाएगा। अधिकारियों के मुताबिक, अप्रैल में बीकाम, बीबीए, बीसीए और बीजेएमसी, बीएसडब्ल्यू की परीक्षा खत्म हो जाएगी। मई-जून में कापियां जांचेंगे। जुलाई तक इनका रिजल्ट घोषित करेंगे।

परीक्षा नियंत्रक डा. अशेष तिवारी का कहना है कि 25 अप्रैल से 14 मई के बीच अधिकांश जिलों में मतदान होंगे। कई कालेजों को मतदान केंद्र बनाया जाएगा।

ऐसे में मई में परीक्षा करवाना थोड़ी मुश्किल है, इसलिए कुछ पेपर को आगे बढ़ाया जा सकता है। इस संबंध में 15 अप्रैल को बैठक करेंगे।

एमपीपीएससी : परीक्षाओं की तारीख में किया बदलाव

इंदौर। लोकसभा चुनाव की वजह से मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग ने अप्रैल और मई माह में होने वाली अपनी परीक्षाओं की तारीख में परिवर्तन किया है। ये परीक्षाएं अब जून माह में होंगी। उधर विश्वविद्यालयों ने भी अपने यहां होने वाली परीक्षाओं को इन्हीं दो माह के लिए स्थगित करते हुए जून में परीक्षाएं आयोजित करने की तैयारी की है। परीक्षार्थियों को आशंका है कि यदि पीएससी और विश्वविद्यालयों की परीक्षाओं की तिथि आसपास हुई तो परेशानी होगी।पीएससी ने आठ विषयों में 863 पदों के लिए सहायक प्राध्यापक, 110 पदों के साथ राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा 202- और 60 पदों के साथ राज्य वन सेवा मुख्य परीक्षा 2023 की घोषणा की है। राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2024 पहले अप्रैल में करवाई जाना थी, लेकिन अप्रैल-मई के बीच अलग-अलग चरणों में मतदान है। ऐसे में परीक्षा करवाने में आयोग को परेशानी आ रही थी। जिन सरकारी कालेजों को परीक्षा केंद्र बनाया गया था वहां के स्टाफ की ड्यूटी निर्वाचन कार्य में लगाए जाने की वजह से भी परीक्षा कार्यक्रम बाधित होने की आशंका थी।110 पदों के लिए ढ़ाई लाख अभ्यर्थियों का ध्यान रखते हुए आयोग ने परीक्षा कार्यक्रम में बदलाव किया है। अब ये परीक्षाएं 23 जून से होंगी, वहीं जून आखिर में राज्य वन सेवा मुख्य परीक्षा 2023 भी रखी गई है। 140 पदों के लिए होने वाली परीक्षा में 2961 उम्मीदवार बैठेंगे। 12 सहायक वन संरक्षक और 128 क्षेत्रपाल के रिक्त पद रखे हैं। आयोग ने यह परीक्षा 30 जून को करवाना का फैसला लिया है।

आयोग के मुताबिक, जुलाई से दिसंबर के बीच नौ अन्य भर्ती परीक्षा भी रखी है। इधर विश्वविद्यालयों की परीक्षाएं भी जून माह में आयोजित होने की संभावना है। परीक्षार्थियों ने आयोग व विश्वविद्यालय प्रशासन से मांग की है कि परीक्षाओं की तारीख नजदीक न हों अन्यथा परीक्षार्थियों को परेशानी होगी।

POSH case at Jawaharlal Nehru University : Female Student On indefinite Strike Against 'Inaction' Over Sexual Harassment Complaint

New Delhi: A female student at the Jawaharlal Nehru University has started an indefinite strike at the main gate of the campus, alleging inaction by its administration over her se&ual harassment complaint against four people. She alleged that she was se&ually harassed on the night of March xv on the campus by four people, including two former students. The university administration has ordered an inquiry into the incident. The complainant, however, claimed that the "perpetrators" of the crime were roaming around freely. "It has been more than x® hours since I first filed the complaint and no action whatsoever has been taken yet. There have been a bunch of formalities; my friends and I have been at the administration, leaving our

classes, demanding justice, and doing all we can, while the perpetrators are roaming freely," she claimed. The university, meanwhile, said it was following the due process. "We are following the due process which takes time. We also have to give a chance to the accused to provide their defence," JNU Chief Proctor Sudhir Kumar told media.

The complainant further raised concerns over her safety and security on the campus. "It must be known that the person who harassed me and my friend resides in the same hostel as I do, and I am e&pected to go into the same hostel, the same corridors, the same mess, to face that person who has caused me such mental harassment." The chief proctor had earlier said that the two e&-students facing the allegations have been declared "out-of-bounds from campus".

The complainant also e&pressed displeasure over the Jawaharlal Nehru University Students' Union's (JNUSU) involvement in addressing the matter and said she decided to start the protest after seeing its ineffectiveness. "After witnessing the ineffectiveness of the JNUSU, I decided to take the matter into my own hands. They went to meet the proctor without the survivor while I and my friends were busy in formalities with the administration ...," she said. The student demanded the immediate restraintment of one of the accused from Sabarmati Hostel, cancellation of the registration of the accused, out-of-bound order for the former students and steps to ensure safety her safety, as well as that of her friends. The purported incident took place when the complainant and a friend were taking a walk near the JNU Ring Road around w am, a university official said. They were allegedly followed by four people, including two students who had already graduated, in a car. These people allegedly se&ually harassed the female student, the official said.

The Left-led students' union has alleged that the four people, including the two former students, belong to the Rashtriya Swayamsevak Sangh (RSS)-affiliated Akhil Bharatiya Vidyarthi Parishad (ABVP). The ABVP, however, denied the allegation and claimed that it was being falsely implicated.

सोभा लिमिटेड को आयकर विभाग ने भेजे 46 करोड़ रुपए के कर मांग नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी। रियल एस्टेट कंपनी सोभा लिमिटेड को आयकर विभाग से करीब 46 करोड़ रुपए के कर मांग नोटिस मिले हैं। नोटिस बेंगलुरु में सेंट्रल सर्कल-1(4) के आयकर उपायुक्त ने जारी किए हैं। नोटिस वित्त वर्ष 2016-17 और 2022-23 के आकलन से संबंधित हैं। कंपनी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया, ''कंपनी को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 156 के तहत वित्त वर्ष 2016-17 और 2022-23 से संबंधित क्रमशः 13.12 करोड़ रुपए और 32.68 करोड़ रुपए के कर मांग नोटिस मिले हैं।

सोभा लिमिटेड ने कहा कि वह निर्धारित समय सीमा में उक्त आदेशों के खिलाफ आयकर आयुक्त (अपील) के समक्ष अपील दायर करने की तैयारी कर रही है। इससे कंपनी के संचालन और अन्य गतिविधियों पर कोई असर नहीं होगा। बेंगलुरु स्थित सोभा लिमिटेड देश की अग्रणी रियल एस्टेट कंपनियों में से एक है।

पिता की कंपनी हो गई थी दिवालिया, बेटे ने लिया बड़ा फैसला, आज बरस रहा पैसा !

नई दिल्ली, एजेंसी। रौनित गंभीर मुंबई के रहने वाले हैं। पिता की कंपनी आर्टेड्ज़ फैब्स के 2020 में दिवालिया घोषित होने के बाद रौनित की कारोबारी यात्रा शुरू हुई। उन्होंने एमिटी यूनिवर्सिटी से बैचलर ऑफ बिजनेस की डिग्री हासिल की है। मां से 50 हजार रुपये उधार लेकर रौनित ने शेफलिंग की शुरुआत की थी। शेफलिंग रेडी-टू-कुक (डू-इट-योरसेल्फ) किट मैन्यूफैक्चरिंग बिजनेस है।

लॉकडाउन में आया आइडिया

रौनित को शेफलिंग का आइडिया लॉकडाउन के दौरान सुशी खाने की इच्छा से आया। सुशी पारंपरिक जापानी व्यंजन है जिसमें सिरके वाले चावल (सुशी-मेशी) और अन्य सामग्री (जैसे समुद्री भोजन, सब्जियां, अंडे) को एक साथ लपेटा जाता है। इसे आमतौर पर सोया सॉस, वसाबी और अचारदार अदरक के साथ परोसा जाता है। कारोबार ने 60 लाख रुपये के रेवेन्यू के साथ

धमाकेदार शुरुआत की। स्टार्टअप कंपनी अब तक 5,000 से अधिक किट बेच चुकी है।

कैसे काम करती है स्टार्टअप कंपनी

स्टार्टअप कंपनी क्र2ष्ट या ष्ठ2ष्ट मॉडल पर काम करती है। इंस्टाग्राम और अपनी वेबसाइट के जरिये यह ऑर्डर लेती है। भविष्य में इसकी योजना सब्सक्रिप्शन प्लान पेश करने की है। शेफलिंग नौ तरह की किट प्रदान करती है। निर्यात के लिए कंपनी भारतीय अनाज पर केंद्रित छह नई किस्में लॉन्च करने की योजना बना रही है। स्टैंडर्ड साइज की किट की कीमत लगभग 1200 रुपये है। जबकि छोटी किट लगभग 499 रुपये में दो लोगों की जरूरतों को पूरा करती है।

क्या है एक्सपैंशन की योजना

रौनित का टारगेट अंतरराष्ट्रीय बाजार में अपनी पहुंच का विस्तार करना है। इसका लक्ष्य विदेश में बसे उन भारतीयों पर फोकस करना है जो भारतीय स्वाद चाहते हैं। स्टार्टअप घर पर बीयर बनाने के लिए भी एक अनूठी किट के साथ बेवरेज सेगमेंट में उतरने की योजना बना रहा है।

शार्क टैंक में पहुंचे

शेफलिंग के लिए महत्वपूर्ण मोड़ तब आया जब रौनित शार्क टैंक इंडिया सीजन 3 में दिखाई दिए। उन्होंने 10 प्रतिशत हिस्सेदारी के लिए 40 लाख रुपये के निवेश की मांग की। बातचीत के बाद उन्होंने 40 लाख रुपये में 16 प्रतिशत हिस्सेदारी दे दी। इससे उनके कारोबार का मूल्य 2.5 करोड़ रुपये हो गया। अमित जैन, अजहर इकबाल, नमिता थापर और पीयूष बंसल के साथ 4-शार्क डील रौनित के लिए महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ।

हाइब्रिड कारों पर जीएसटी में कमी चाहते हैं गडकरी, पेट्रोल-डीजल वाहनों को हटाने को प्रतिबद्ध

नागपुर, एजेंसी। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने भारत को हरित अर्थव्यवस्था बनाने के लिए देश में हाइब्रिड वाहनों पर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) कम करने की वकालत की है। इसके साथ ही उन्होंने देश को 36 करोड़ से अधिक पेट्रोल और डीजल वाहनों से पूरी तरह मुक्त बनाने का संकल्प किया है। यह पूछे जाने पर कि क्या भारत को पेट्रोल और डीजल वाहनों से पूरी तरह मुक्त कराना संभव है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने कहा, ''100 प्रतिशत। गडकरी ने कहा, ''यह मुश्किल है, नामुमकिन नहीं। यह मेरा विचार है। उन्होंने कहा कि भारत ईंधन आयात पर 16 लाख करोड़ रुपए खर्च करता है।

मंत्री ने कहा कि इस पैसे का इस्तेमाल किसानों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए किया जाएगा, गांव समृद्ध होंगे और युवाओं को रोजगार मिलेगा। गडकरी ने इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य को पूरा करने के लिए कोई समयसीमा नहीं दी, जिसे हरित ऊर्जा के समर्थक भी बेहद कठिन मानते हैं। मंत्री ने कहा कि हाइब्रिड वाहनों पर जीएसटी

घटाकर पांच प्रतिशत और फ्लेक्स इंजन पर 12 प्रतिशत करने का प्रस्ताव वित्त मंत्रालय को भेजा गया है, जो इसपर विचार कर रहा है। उन्होंने कहा कि उनका दृढ़ विश्वास है कि देश जैव ईंधन के उपयोग को बढ़ावा देकर ईंधन आयात को समाप्त कर सकता है।

पर्यावरण कार्यकर्ताओं ने हरित परिवहन बढ़ाने के लिए गडकरी के दृष्टिकोण का स्वागत किया, हालांकि बिजली के उत्पादन में जीवाश्म ईंधन के इस्तेमाल को अनुमति देने के कदम को लेकर आगाह भी किया। ग्रीनपीस इंडिया के प्रचारक अविनाश चंचल ने कहा, ''भारत में हम अब भी इलेक्ट्रिक वाहनों को चलाने के लिए जीवाश्म ईंधन-आधारित ऊर्जा प्रणाली पर बहुत अधिक निर्भर हैं। इसे बदलने की जरूरत है। जलवायु संकट से निपटने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों के साथ-साथ 100 प्रतिशत नवीकरणीय ऊर्जा सुनिश्चित करने की तत्काल जरूरत है। गडकरी ने कहा कि वह 2004 से वैकल्पिक ईंधन की वकालत कर रहे हैं और उन्हें भरोसा है कि आने वाले पांच से सात साल में चीजें बदल जाएंगी। मंत्री ने कहा, ''मैं आपको इस बदलाव के लिए कोई तारीख और साल नहीं बता सकता क्योंकि यह बहुत कठिन है। यह मुश्किल है, नामुमकिन नहीं। उन्होंने कहा कि उनका दृढ़ विश्वास है कि जिस गति से इलेक्ट्रिक वाहन पेश किए जा रहे हैं, आने वाला युग वैकल्पिक तथा जैव ईंधन का होगा और यह सपना सच होगा। गडकरी ने कहा कि बजाज, टीवीएस और हीरो जैसी मोटर वाहन कंपनियां भी फ्लेक्स इंजन का इस्तेमाल करके मोटरसाइकिल बनाने की योजना बना रही हैं। इसी तरह की प्रौद्योगिकी से बने तिपहिया भी आने वाले हैं।

नवोदय विद्यालय का रिजल्ट घोषित, एबीजीएम पब्लिक स्कूल के छात्र कृष्णपाल सिंह का चयन

इंदौर। नवोदय विद्यालय का रिजल्ट घोषित हुआ है जिसमें पटेल शिक्षण सेवा समिति द्वारा संचालित एबीजीएम पब्लिक स्कूल के छात्र कृष्णपाल सिंह पिता रघुवीर सिंह गांव अफजलपुर नई आबादी ने इस परीक्षा में चयनित होकर विद्यालय तथा अपने माता-पिता

तथा गांव का नाम रोशन किया है। बालक कृष्णपाल के नवोदय में चयनित होने पर विद्यालय परिवार ने बधाईयां दीं तथा बालक के उज्जवल भविष्य की कामना की। एबीजीएम विद्यालय परिवार ने कहा आप इसी प्रकार निरंतर आगे बढ़ते रहे और विद्यालय के साथ साथ अपने माता-पिता तथा गांव का नाम रोशन करते रहे। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य इंजी. पवन पाटीदार तथा सह प्राचार्य योगेश सोनी ने विद्यालय द्वारा पूरे अफजलपुर क्षेत्र में इस उपलब्धि को प्राप्त करने पर विद्यालय के सभी शिक्षकों को धन्यवाद एवं हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

सूर्य ग्रहण के दौरान आसमान से क्यों गायब हो जाते हैं बादल?

साल 2024 में दो सूर्य ग्रहण लगने वाले हैं। अप्रैल में पहला सूर्य ग्रहण और दूसरा ग्रहण 2 अक्तूबर को लगेगा। 8 अप्रैल को लगने जा रहा पूर्ण सूर्य ग्रहण अमेरिका में दिखाई देगा। साल 2017 के बाद पहली ऐसा होगा। नासा के मुताबिक, सबसे पहले यह मेक्सिको के प्रशांत तट पर सुबह 11 बजकर 7 मिनट पर दिखाई देगा। यह खगोलीय घटना तब घटती है, जब सूरज और धरती के बीच चंद्रमा आ जाता है। इस धरती पर छाया पड़ती है और दिन में रात जैसा नजारा हो जाता है। इस दौरान एक आश्चर्यजनक प्रभाव दिखाई देता है।
आसमान में बादल तेजी छटने लगते हैं, ऐसा तब होता बै जब सूर्य का सिर्फ 15 प्रतिशत भाग चंद्रमा ढंक लेता है। आखिर यह क्यों होता है? यह काफी लंबे समय से वैज्ञानिकों के लिए भी सवाल था। अब इस रहस्य से वैज्ञानिकों ने पर्दा उठा दिया है।
रॉयल नीदरलैंड मौसम विज्ञान संस्थान और डेल्फ्ट यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी की टीम का नेतृत्व करने वाले विक्टर ट्रीज ने सूर्य ग्रहण के दौरान धरती पर उथले क्यूम्यलस बादलों के गायब होने जाने को लेकर शोध की है। क्लाइमेट इंजीनियरिंग कोशिशों के लिए यह बेहद अहम है। इस शोध के मुताबिक, सूर्य के प्रकाश को रोकना जलवायु परिवर्तन को कम करने का एक समाधान निकल सकता है। यह अनजाने में सही, लेकिन बादलों के आवरण को कम करता है। बादलों से सूर्य का प्रकाश प्रतिबिंबित होता है। इसकी वजह से धरती को ठंडा करने में भूमिका निभाते हैं। बादल सूर्य के प्रकाश को प्रतिबिंबित करते हैं इसलिए वे पृथ्वी को ठंडा करने में भूमिका निभाते हैं। ग्रहण के समय धरती की सतह से बादलों के व्यवहार को समझना बेहद मुश्किल होता है।
शोधकर्ताओं की टीम ने क्लाउड टॉप परावर्तन की उपग्रह गणना में चंद्रमा की छाया पर ध्यान दिया और इसको समझा है। शोधकर्ताओं को खोज में पता चला है कि जब सूर्य का सिर्फ 15 फीसदी हिस्सा ढका होता है, तो क्यूमलस बादल हट जाते हैं और ग्रहण खत्म होने पर फिर से आ जाते हैं। सिमुलेशन ने इसे समझने के लिए क्लाउड मॉडलिंग सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल किया। जब सूरज की रोशनी अवरुद्ध होती है, तो सतह ठंडी पड़ जाती है। इसके क्यूम्यलस बादल बनने के लिए गर्म हवा का प्रवाह कम हो जाता है।
भूमि पर यह प्रभाव पड़ता है, जिससे मौसम के मिजाज पर प्रभावत पड़ता है, लेकिन महासागर पर प्रभाव नहीं पड़ता है। मौसम के पैटर्न में सहायक क्यूम्यलस बादल पर जलवायु जियोइंजीनियरिंग का प्रभाव पड़ सकता है। इसके आगे की जांच की जरूरत पड़ती है। कम्युनिकेशंस अर्थ एंड एनवायरनमेंट में जटिल संबंध पर प्रकाश डालने वाली रिसर्च प्रकाशित की गई है।

क्रोएशिया के सबसे अद्भुत प्राकृतिक आश्चर्य

यूरोप के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में एक तटीय देश के रूप में, और एड्रियाटिक सागर तक पूरी पहुंच के साथ, क्रोएशिया के समुद्र तट अपने साफ पानी और कंकड़ वाले तटों के कारण पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गए हैं। हालाँकि, देश की प्राकृतिक सुंदरता इसके समुद्र तट से कहीं आगे तक जाती है, और यह ऐसे परिदृश्य और गतिविधियाँ प्रदान करती है जो हर प्रकार के यात्रियों का मनोरंजन कर सकती हैं। इतना ही नहीं, बल्कि यह एक समृद्ध इतिहास वाला देश भी है, और इसके कई रोमन खंडहर और सेंट यूफेमिया जैसे खूबसूरती से संरक्षित चर्च जैसे स्थल सदियों पुरानी कहानियों को फिर से बताने में मदद करते हैं।

सेटीना नदी स्रोत, क्रोएशिया

पृथ्वी की आँख उपनाम प्राप्त करते हुए सेटीना रिवर स्प्रिंग वास्तव में देखने लायक है। अशुभ दिखने वाला छेद सेटिना नदी का स्रोत है, जो वर्लिका के उत्तर में कुछ मील की दूरी पर एक झरने से निकलती है और 60 मील से अधिक दूरी तक एड्रियाटिक सागर में बहती है। स्रोत की प्रभावशाली गहराई 500 फीट है। हालाँकि, गहरे समुद्र में गोताखोर यह जानना चाहते हैं कि सैटिना रिवर स्प्रिंग में क्या रहस्य छिपे हैं, उन्हें जोरदार नहीं का जवाब मिलेगा, क्योंकि ऐसा करना अवैध बना दिया गया है।

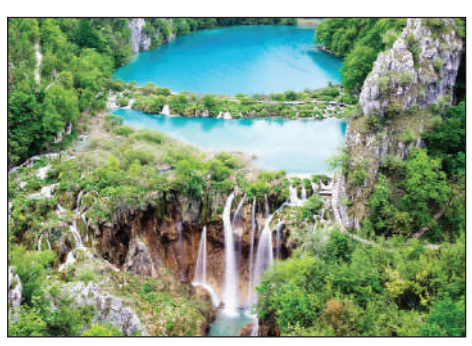

प्लिटविस झील राष्ट्रीय उद्यान

क्रोएशिया में सबसे प्रसिद्ध प्राकृतिक आश्चर्य और गणतंत्र के सबसे बड़े राष्ट्रीय उद्यान दोनों के स्थानों को ध्यान में रखते हुए, प्लिटविस नेशनल पार्क देश की सबसे खूबसूरत झीलों के साथ शांतिपूर्ण सैर प्रदान करता है। पार्क के खूबसूरत पानी में तैरने की अनुमति नहीं है, लेकिन इसकी फ़िरोज़ा रंग की झीलों का दृश्य और धीरे-धीरे गिरते झरनों की आवाज़ एक उत्कृष्ट अनुभव प्रदान करती है।
यदि क्लौस्ट्रफ़ोबिया कोई मुद्दा नहीं है, तो बैरेडाइन गुफा के अंदर स्टैलेक्टाइट से भरी संरचना क्रोएशिया की प्रकृति द्वारा प्रदान किए जाने वाले विस्मयकारी कारक को बनाए रखते हुए नियमित आउटडोर रोमांच से एक स्वागत योग्य ब्रेक हो सकती है। पूरी गुफा एक भू-आकृति विज्ञान स्मारक है जिसका निर्माण लगभग 3.5 मिलियन वर्ष पहले भू-आकृति के विघटन के दौरान पानी की गतिविधियों के कारण हुआ था। हालाँकि, 1995 तक गुफा को पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बनाने के लिए सीढ़ियाँ और रेलिंग नहीं लगाई गई थी। और एक अनोखी प्रजाति है जो गुफा में निवास करती है, क्योंकि बेरेडाइन ओल्म एक स्थानिक प्रकार का सैलामैंडर है जिसने गुफा को अपना घर बना लिया है और भूमिगत जल के आसपास तैरते हुए देखा जा सकता है।

एमएलजेट राष्ट्रीय उद्यान

एक द्वीप के भीतर एक झील के भीतर एक द्वीप पर एक मठ। यह एक अजीब वर्णन जैसा लग सकता है, है ना? लेकिन यह एमएलजेट नेशनल पार्क के अंदर देखने के लिए उपलब्ध चीजों में से केवल एक है। एमएलजेट द्वीप के सबसे उत्तरी सिरे पर स्थित, जो पहले से ही क्रोएशिया के सबसे सुरम्य द्वीपों में से एक है, पार्क में पर्याप्त जंगल, लंबी पैदल यात्रा के रास्ते हैं, और, इसका मुख्य आकर्षण, जमीन के एक टुकड़े से विभाजित दो अलग-अलग रंग की खारे पानी की झीलें हैं। दो झीलों में से सबसे बड़ी में, सेंट मैरी द्वीप है, जो चर्च और बेनेडिक्टिन मठ का घर है, जो क्रोएशिया की रोमनस्क संस्कृति का एक स्मारक है जो नाव के माध्यम से पर्यटकों के लिए खुला है और आगंतुकों के लिए जरूरी है।

क्रका राष्ट्रीय उद्यान

क्षेत्र में पाई जाने वाली सबसे बड़ी नदी के नाम पर रखा गया, क्रका नेशनल पार्क आगंतुकों को इसके शांत और गहरे नीले पानी में डुबकी लगाने की अनुमति देता है, साथ ही पार्क के संपन्न जीव-जंतुओं और वनस्पतियों को देखने में भी सक्षम बनाता है।
एमएलजेट की तरह, क्रका नदी के ठीक बीच में एक खूबसूरत पुराना चर्च स्थित है। 14वीं शताब्दी में, कैथोलिक भिक्षुओं के एक समूह ने विसोवैक के छोटे से द्वीप पर एक आकर्षक चर्च और मठ का निर्माण करके खुद को स्थापित किया। हालाँकि आक्रमणों के कारण मूल मठ को ध्वस्त कर दिया गया था, इसे 18वीं शताब्दी में फिर से बनाया गया था और आज तक इसका रखरखाव किया गया है।

कोर्नाटी द्वीप समूह

क्रोएशियाई तटरेखा के कुछ हिस्से ऐसे भी हैं जो पर्यटकों के लिए उतने प्रसिद्ध नहीं हैं, जैसे कोर्नाटी द्वीप समूह। 140 से अधिक निर्जन द्वीपों, द्वीपों और चट्टानों से बना, कोरेंटिस एड्रियाटिक सागर में सबसे बड़ा द्वीपसमूह है। द्वीपों की बंजर प्रकृति समुद्र के बीच एक अनोखा और भयानक दृश्य प्रस्तुत करती है।

वोजाक पीक, क्रोएशिया

क्रोएशिया के सभी प्राकृतिक चमत्कारों का संबंध पानी से नहीं है, और लंबी पैदल यात्रा के शौकीनों को उक्का पर्वत श्रृंखला से बाहर निकलने का मौका मिलेगा। पहाड़ और घाटियाँ शानदार पगडंडियों से भरी हुई हैं जो पार्क की विशाल सुंदरता को प्रदर्शित करती हैं। सभी चोटियों में से, सबसे प्रसिद्ध माउंट वोजाक है, जो इस्ट्रियन प्रायद्वीप की सबसे ऊंची चोटी है। शीर्ष पर पहुंचने के बाद, वोजैक टॉवर दिन भर की लंबी पैदल यात्रा के बाद आसपास के पहाड़ों को देखने के लिए एकदम सही लुकआउट पॉइंट देता है।

रिस्नजैक नेशनल पार्क, क्रोएशिया

ऐसे आकर्षणों के साथ जो मुख्य रूप से पैदल यात्रियों और प्रकृति पर नजर रखने वालों के लिए उपयुक्त हैं, रिस्नजैक नेशनल पार्क अपने प्रचुर वनस्पतियों और जीवों पर गर्व करता है। इसके घास के मैदानों में ऊंचाई के आधार पर विभिन्न प्रकार के टर्फ शामिल हैं। और, पौधों की प्रचुर विविधता के कारण, यहाँ वन्य जीवन की भी एक विस्तृत विविधता है। भालू, भेड़िये और पक्षियों की 110 से अधिक विभिन्न प्रजातियाँ कुछ ऐसे जानवर हैं जो पार्क के जंगलों को अपना घर कहते हैं।

बैसीना झीलें, क्रोएशिया

सभ्यता से लगभग अछूती एक अद्भुत भूमि के रूप में, बासीना झीलें सुंदर रंग-बिरंगी झीलें पेश करती हैं जो ठंड के महीनों के दौरान भी तैराकी के लिए उपयुक्त हैं। यह क्षेत्र झीलों को यथासंभव स्वच्छ बनाए रखने के प्रयास में स्थिरता का पूरी तरह से समर्थन करता है, और यह उन लोगों की भी मदद करता है जो सर्वोत्तम संभव अनुभव प्राप्त करने के लिए झीलों के किनारे कैंपिंग में रात बिताना चाहते हैं।

ब्लू गुफा, बिसेवो, क्रोएशिया

कुछ जगहें नीले पानी को खूबसूरत बनाने का दावा करती हैं, लेकिन ब्लू केव इसे बिल्कुल नए स्तर पर ले जाता है। एक त्वरित अवास्तविक अनुभव के लिए, गुफा बिसेवो द्वीप के अंदर है, जहां क्रोएशिया के खूबसूरत समुद्र तटीय शहर, स्प्लिट से एक छोटी नाव की सवारी के बाद पहुंचा जा सकता है। हालाँकि पर्यटक गुफा के मनमोहक पानी में कूदने के लिए प्रलोभित हो सकते हैं, लेकिन गुफा के अंदर तैरना या नाव से बाहर निकलना पूरी तरह से प्रतिबंधित है।

एलियन को लेकर अक्सर खबरें सामने आती रहती हैं। अब इस बीच एक बेहद हैरान करने वाला दावा किया गया है। एक अध्ययन में कहा गया है कि हजारों प्रकाश वर्ष दूर बैठे एलियन हम पर नजर रख रहे हैं। हालांकि, वो इंसानों को 3000 साल की देरी से देख रहे हैं।

3000 साल से धरती पर नजर रख रहे हैं एलियंस! वैज्ञानिकों ने किया खुलासा

अध्ययन के मुताबिक, साल 2024 में धरती पर स्थित कोई जगह एलियन के टेलीस्कोप में साल 5024 में नजर आएगी। इसका मतलब यह है कि अगर एलियन इस समय धरती पर किसी चीज को देख रहे होंगे, तो वो तीन हजार साल पुरानी होगी। एक्टा एस्ट्रोनॉटिका के मार्च 2024 संस्करण में क्या एडवांस एलियन सभ्यताएं हमें देख सकती हैं? इस नाम से एक लेख प्रकाशित किया गया है। इस अध्ययन में शोधकर्ता जेडएन उस्मानोव ने हैरान करने वाला खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि भौतिक विज्ञान के नियमों के अनुसार, किसी भी एलियन सभ्यता द्वारा धरती पर गतिविधियों का पता लगाने के लिए अधिकतम दूरी कम से कम 3,000 प्रकाश वर्ष है। उन्होंने कहा कि इसका मतलब यह है कि अगर एलियन अपने विशाल टेलीस्पोक से आज धरती पर देखते हैं, तो उन्हें रोमन या उसके समकालीन भारतीय, ग्रीक अथवा मिस्र की सभ्यता नजर आ रही होगी।
वैज्ञानिकों के मुताबिक, एक आकाशगंगा दूसरी आकाशगंगा से हजारों प्रकाश वर्ष दूर स्थित है। इन आकाशगंगाओं में स्थित तारों या पिंडों का प्रकाश लंबा सफर तय करके धरती तक पहुंचता है। रात में दिखने वाले चमक रहे तारे सैकड़ों साल पुराने हो सकते हैं। इसी तरह कोई हजारों प्रकाश वर्ष दूर धरती पर इंसानों को देख रहा होगा तो वह हजारों साल बाद ही देख सकेगा।

क्यों नहीं मिले जीवन के संकेत

इसकी वजह हो सकता है कि दशकों के अथक कोशिश के बाद भी हमें एलियन जीवन के कोई संकेत क्यों नहीं मिल पाए। शायद वह धरती से बहुत दूर हैं या तकनीक में इंसानों से बहुत उन्नत हैं। यह भी हो सकता है कि वह धरती पर रहे इंसानों को नोटिस करने के इच्छुक नहीं हैं। तो वहीं इंसानों को संकेत भेजने के लिए प्रेरित कर सकता है, कोई संकेत पकड़ सकते हैं या प्रतिक्रिया दें।
अध्ययन का निष्कर्ष यह है कि एलियंस उन्नत तकनीक से हमारी सभ्यताओं पर नजर रख रहे हैं, लेकिन 3,000 साल के देरी के साथ। इसका मतलब यह है कि ब्रह्मांड में इंसान अकेले नहीं हैं, बल्कि ब्रह्मांडीय पड़ोसियों के साथ अभी तालमेल नहीं है। इंसान उनसे एक अलग समय, अलग वास्तविकता में और अलग इतिहास में रह रहे हैं।

पूर्व क्रिकेटर के बयान पर छिड़ा विवाद

मुंबई इंडियंस के अगले मैच से पहले छिन सकती है हार्दिक पांड्या की कप्तानी?

नईदिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 में सोमवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम पर मुंबई इंडियंस वर्सेस राजस्थान रॉयल्स का जो रिजल्ट आया, उसके बाद से एक बाद पर बहस छिड़ चुकी है कि क्या बीच सीजन में हार्दिक पांड्या से मुंबई इंडियंस की कप्तानी छिन जाएगी?

मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2024 ऑक्शन से पहले हार्दिक पांड्या को ऑल कैश डील में गुजरात टाइटन्स से ट्रेड किया और फिर मुंबई इंडियंस का कप्तान बना दिया।

पांच बार अपनी कप्तानी में मुंबई इंडियंस को खिताब दिलाने वाले रोहित शर्मा इस सीजन में बैटर के तौर पर ही खेल रहे हैं। फैन्स को यह बात शुरू से पसंद नहीं आई है और मुंबई इंडियंस के पहले मैच से ही हार्दिक पांड्या की जमकर हूटिंग हो रही है।

होम ग्राउंड पर किसी भी टीम के कप्तान की इस तरह की हूटिंग इससे पहले देखने को नहीं मिली है। मुंबई इंडियंस वर्सेस राजस्थान रॉयल्स मैच के बाद क्रिकबज पर मनोज तिवारी और वीरेंद्र सहवाग ने मिलकर इस मैच के रिजल्ट पर चर्चा की। इस दौरान मनोज तिवारी ने कहा, मैं बहुत बड़ी बात बोलने जा रहा हूं। मुंबई इंडियंस को छह दिन का ब्रेक मिला है, अगले मैच से पहले और ऐसा भी हो सकता है कि इन छह दिनों में हार्दिक पांड्या की कप्तानी चली जाए।

हार्दिक से कप्तानी में गलतियां हुई हैं और ऐसा दिखा भी है। वह चाहे गेंदबाजों में बदलाव हो या फिर बैटिंग ऑर्डर में उठा-पटक हो।

रियान पराग मुझे युवा सूर्यकुमार की याद दिलाता है: शेन बांड

मुंबई, एजेंसी। राजस्थान रॉयल्स के सहायक कोच शेन बांड ने फॉर्म में चल रहे रियान पराग को काफी प्रतिभाशाली बताते हुए उनकी तुलना एक दशक पहले मुंबई इंडियंस से जुड़े सूर्यकुमार यादव से की है जो कालांतर में दुनिया के सबसे आक्रामक टी20 बल्लेबाजों में से एक बने। 22 बरस के पराग ने घरेलू क्रिकेट का फॉर्म आईपीएल में भी जारी रखते हुए दो अर्धशतक जमाए हैं। उन्होंने मुंबई इंडियंस के खिलाफ सोमवार को छह विकेट से मिली जीत में 39 गेंद में नाबाद 54 रन की पारी खेली। बांड ने कहा, 'पराग मुझे सूर्यकुमार यादव की याद दिलाता है जो कई साल पहले मुंबई इंडियंस से जुड़ा था। वह अपार प्रतिभाशाली है और बतौर क्रिकेटर परिपक्व भी हो रहा है। उन्होंने कहा, 'उसने घरेलू सत्र में अच्छा प्रदर्शन किया है। उसने बहुत कम उम्र में क्रिकेट खेलना शुरू किया और छठे नंबर पर बल्लेबाजी करना आसान नहीं होता। आईपीएल में आम तौर पर फिनिशर की भूमिका काफी अनुभवी खिलाड़ी निभाते हैं। रॉयल्स में उसमें जो निवेश किया है, उसका फल मिलने लगा है। उन्होंने यह भी कहा कि निस्वार्थ प्रदर्शन करने वाले युजवेंद्र चहल अगर इसी तरह से खेलते रहे तो भारतीय टीम में वापसी कर सकते हैं। चहल ने चार ओवर में 11 रन देकर तीन विकेट लिए। बांड ने कहा, 'प्रतिस्पर्धा कड़ी है और सबसे बड़ी चुनौती यह है कि गेंदबाज को यह भुलाकर गेंदबाजी करना है कि विश्व कप होने वाला है और उसे टीम में जगह बनाने के लिये दावा बुलंद करना है। चहल अगर इसी तरह गेंदबाजी करता रहा तो विश्व कप टीम में जगह बना सकता है।

एरेना आईबीएट्राफी इंदौर जिला रैंकिंग बैडमिंटन स्पर्धा

सोम्या, मांडवी, ऐशानी, मायरा, अजमीर, ओमिशा, दिव्यांशी, शाश्वत, रुद्र, हर्षवर्धन, शोभित सेमीफाइनल में

इंदौर। इंदौर जिला बैडमिंटन संगठन के तहत अरेना क्लब और इंदौर बैडमिंटन एकेडमी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित पहली अरेना-आईबीए ट्रॉफी इंदौर जिला सब जूनियर-मिनी रैंकिंग बैडमिंटन स्पर्धा में सोम्या वर्मा, मांडवी गांधी, अनन्या शारदा और महती वैष्णव ने 13 वर्ष बालिका एवं आरव राज सिंह बग्गा, अन्जनेय सोनेजा, मोहम्मद अजमीर बेग और शोभित गुप्ता ने 13 वर्ष बालक वर्ग के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। अर्ना बतरा, रेनी अग्रवाल, दिव्यांशी गांधी और मनस्वी अरोरा 15 वर्ष बालिका एवं ऐशानी गोयल, मायरा भार्गव, ओमिशा मेहता और ध्यांशी गुरसहानी ने 11 वर्ष बालिका सेमीफाइनल में हैं।

एरेना-आईबीए क्लब में हो रही स्पर्धा में देवेन्द्र यादव, रुद्र मित्तल, रेयांश सूद और हर्षवर्धन सिंह राजपूत 9 वर्ष बालक एवं केवल्य अग्रवाल, अनवित गोयल, हर्षवर्धन सिंह राजपूत और शाश्वत त्रिपाठी 11 वर्ष बालक एकल के सेमीफाइनल में आए। काव्य शर्मा, पर्व जाटवा, वीर खरे और प्रफुल्ल पाठक 15 वर्ष बालक एकल सेमीफाइनल में हैं। गनाक्षी पाटीदार, कोजा बेग और तविशा यादव 9 वर्ष बालिका सेमीफाइनल में हैं।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए रवाना हुई भारतीय हॉकी टीम

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की हॉकी टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय सीनियर पुरुष हॉकी टीम सोमवार रात को इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे से रवाना हो गई है।

पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 6 अप्रैल से शुरू होगी, जिसके बाद 7, 10, 12 और 13 अप्रैल को मैच होंगे, जिसमें प्रशंसकों को हॉकी प्रतिभा का रोमांचक प्रदर्शन देखने को मिलेगा। ऑस्ट्रेलिया का दौरा भारतीय टीम के लिए अपनी तैयारियों का आकलन करने, अपनी रणनीतियों को बेहतर बनाने और पेरिस ओलंपिक से पहले सुधार के क्षेत्रों की पहचान करने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है।

कड़ी प्रतिस्पर्धा को देखते हुए, टीम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने और मैदान पर हर पल को यादगार बनाने के लिए तैयार है। एफआईएच प्रो लीग 2023-24 के भुवनेश्वर और राउरकेला चरण के दौरान आखिरी बार अपनी ताकत दिखाने के बाद, हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली टीम ने असाधारण कौशल और शानदार प्रदर्शन किया। साथ ही भुवनेश्वर में चार में से तीन मैचों में जीत हासिल की और राउरकेला में अजेय क्रम बनाए रखा। इससे अंतर्राष्ट्रीय मंच पर उनकी ताकत का प्रदर्शन हुआ, जिससे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी श्रृंखला में उनके प्रदर्शन से काफी उम्मीदें जगी। ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना होने से पहले, कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा, जैसा कि हम ऑस्ट्रेलिया के इस महत्वपूर्ण दौरे पर जा रहे हैं, हम दृढ़ संकल्प और उत्साह से भरे हुए हैं।

यह श्रृंखला पेरिस ओलंपिक से पहले सुधार के लिए हमारी ताकत और क्षेत्रों का आकलन करने का एक उत्कृष्ट अवसर प्रस्तुत करती है। हम मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ देने और हर पल को महत्वपूर्ण बनाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। इस बीच, उप कप्तान हार्दिक सिंह ने कहा, यह दौरा हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि हम ऑस्ट्रेलिया में मजबूत टीम का सामना करने के लिए तैयार हैं। हम अपने कौशल और रणनीतियों को निखारने के लिए एक टीम के रूप में कड़ी मेहनत कर रहे हैं, और हमें अपनी क्षमताओं पर भरोसा है। हमारा ध्यान मजबूत प्रदर्शन करने और अपने देश को गौरवान्वित करने पर है। भारत 6 अप्रैल को सीरीज के शुरुआती मैच में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगा।

टेनिस : सुमित नागल ने हासिल की करियर की सर्वोच्च रैंकिंग

लंदन, एजेंसी। नागल ने जनवरी में ऑस्ट्रेलियाई ओपन के मुख्य ड्रॉ में जगह बना कर सुर्खियां बटोरी थी। वह इस प्रतियोगिता में वरीयता प्राप्त खिलाड़ी (कजाखस्तान के अलेक्जेंडर बुब्लिक) को हराने वाले पहले भारतीय भी बने, लेकिन दूसरे दौर में चीन के शांग जुनचेंग से हारकर बाहर हो गए थे।

शीर्ष भारतीय टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने हाल के दिनों में प्रभावशाली प्रदर्शन के बूते सोमवार को जारी एटीपी एकल

रैंकिंग में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 95वीं रैंकिंग हासिल की। नागल की इससे पहले सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग 97 थी। उन्होंने यह रैंकिंग फरवरी में एटीपी चैलेंजर स्तर की प्रतियोगिता चेन्नई ओपन जीतने के बाद हासिल की थी।

नागल ने जनवरी में ऑस्ट्रेलियाई ओपन के मुख्य ड्रॉ में जगह बना कर सुर्खियां बटोरी थी। वह इस प्रतियोगिता में वरीयता प्राप्त खिलाड़ी (कजाखस्तान के अलेक्जेंडर बुब्लिक) को हराने वाले पहले भारतीय भी बने, लेकिन दूसरे दौर में चीन के शांग जुनचेंग से हारकर बाहर हो गए थे। चेन्नई ओपन जीत के बाद उन्होंने एटीपी 500 प्रतियोगिता (दुबई चैंपियनशिप) और एटीपी 1000 मास्टर्स (इंडियन वेल्स और मियामी) के अलावा दो अन्य चैलेंजर टूर्नामेंट भी खेले। इस दौरान हालांकि उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन बंगलूरू चैलेंजर के सेमीफाइनल में पहुंचना रहा। नागल मौजूदा समय में मोरक्को के मराकेश में एक एटीपी 250 स्तर की प्रतियोगिता 'ग्रैंड प्रिक्स हसन दो' की तैयारी कर रहे हैं, जहां वह शुरुआती दौर में फ्रांस के कोरेंटिन मौटेट से भिड़ेंगे।

चंडीगढ़ ओपन 2024 गोल्फ टूर्नामेंट का होगा आयोजन, 1 करोड़ है इनामी राशि

चंडीगढ़, एजेंसी। एक करोड़ की इनामी राशि वाला चंडीगढ़ ओपन 2024 गोल्फ टूर्नामेंट का आयोजन चंडीगढ़ गोल्फ क्लब में 3 - 6 अप्रैल तक खेला जाएगा। दो अप्रैल को प्रो-एम इवेंट किया जाएगा। जबकि टूर्नामेंट की शुरुआत 3 अप्रैल से होगा। इसमें गगनजीत भुल्लर,एसएसपी चौरसिया,ओम प्रकाश चौहान,मनु गंडास,राहिल गंगजी,राशिद खान,वीर अहलावत,अभिनव लौहान,युवराज सिंह संधू, छिक्कारनगप्पा और करनदीप कोच्चर आदि अपना दम खम दिखाएंगे विदेशी गोल्फर्स में श्रीलंका के एन थंगाराजा और के प्रबागरन,बंग्लादेश के जमाल हुसैन और बबल हुसैन, एंडोरा के केविन स्टीव रिगेल,अमेरिका के वरुण चोपड़ा सहित पीजीटीआई क्वालिफांइग स्कूल विजेता चिली के मितियास डोमिनगुऐज, नेपाल के सुभाष तमांग, ईटली के मिशेल ओरटोलानी और चेक गणराज्य के स्टीपन हिस्सा लेंगे। वहीं अमेच्योर में हरजय मिल्खा सिंह के साथ दो अन्य एमेच्योर खिलाड़ी अयान गुप्ता और राम सिंह मान चंडीगढ़ से हैं वह भी खेलेंगे। इस बारे में सोमवार को एक प्रेस वार्ता का आयोजन सोमवार को चंडीगढ़ गोल्फ क्लब में किया गया। इस मौके पर पीजीटीआई के सीईओ उत्तम सिंह मुंडी, चंडीगढ़ गोल्फ कल्ब के अध्यक्ष रविबीर सिंह, जीव मिल्खा सिंह, पेशेवर गोल्फर गगनजीत सिंह भुल्लर और अभिनव लोहान शामिल रहे। दोनों इकट्ठा खेलेंगे - चंडीगढ़ ओपन 2024 गोल्फ टूर्नामेंट में शहर के रहने वाले गोल्फर जीव मिल्खा सिंह और उनके बेटे हरजय मिल्खा सिंह एक साथ खेलेंगे। जीव मिल्खा सिंह प्रोफेशनल केटागेरी औ उनका बेटा हरजय मिल्खा सिंह अमेच्योर केटागेरी में खेलेगा। टूर्नामेंट संबधी प्रेस क्राफ्रेंस का अयोजन सोमवार को चंडीगढ़ गोल्फ क्लब में किया गया।

सलमान ने दी थी रणदीप को सलाह

रणदीप हुड्डा इन दिनों अपनी फिल्म 'स्वातंत्र्यवीर सावरकर' की सक्सेस का जश्न मना रहे हैं। इसी बीच उन्होंने एक इंटरव्यू में सलमान खान के साथ अपनी दोस्ती के बारे में बात की। उन्होंने कहा- सलमान ने मुझे एक बार बहुत कीमती एडवाइस दी थी। वो हमेशा मुझे ज्यादा पैसा कमाने और ज्यादा काम करने की सलाह देते रहे हैं। सलमान मुझसे कहते थे कि अगर मैंने अभी काम करके पैसे नहीं कमाए, तो मुझे फ्यूचर में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। रणदीप बताते हैं कि उन्होंने सभी सलाह में से बहुत कम का ही पालन किया है। रणदीप ने कहा कि सलमान उनसे बहुत दिलचस्पी के साथ दिल की बातें किया करते हैं। बता दें, रणदीप ने सलमान के साथ सुल्तान, किक और राधे जैसी फिल्मों में काम किया है। रणदीप हुड्डा ने कहा कि स्वात्रंत्य वीर सावरकर की शूटिंग के वक्त उन्हें ऐसा फील होता था कि सावरकर उनके आस-पास हैं। रणदीप ने कहा कि जब वे खुद को शीशे के सामने देखते थे तो लगता था कि सावरकर खुद सामने आ गए हैं।

विनोद मेहरा के बेटे रोहन को डेट कर रहीं पूजा हेगड़े!

साउथ एक्ट्रेस पूजा हेगड़े का नाम वैसे तो कई लोगों के साथ जुड़ा है लेकिन फिलहाल रोहन मेहरा के साथ उनकी डेटिंग की खबरें जोरों पर हैं। दोनों को हाल ही में एक साथ कार में देखा गया। रोहन का नाम इससे पहले तारा सुतारिया के साथ भी जुड़ चुका है लेकिन वे जल्द ही अलग हो गए। साउथ की फेमस एक्ट्रेस पूजा हेगड़े अपनी निजी जिंदगी के मामले में लो प्रोफाइल रहती हैं। लेकिन वो इस बार कथित बॉयफ्रेंड रोहन मेहरा के साथ स्पॉट की गईं। दोनों की तस्वीरें मुंबई के बांद्रा में पपाराज़ी ने लीं। पूजा और रोहन को एक ही कार में साथ जाते हुए भी देखा गया। पूजा को सफेद शर्ट के साथ ग्रे ट्राउजर और काले जूते पहने देखा गया। इस बीच, रोहन ने काली टी-शर्ट, नेवी ब्लू पैंट, काली टोपी और सफेद स्नीकर्स के साथ कैजुअल लुक रखा। बता दें कि रोहन फेमस एक्टर विनोद मेहरा के बेटे हैं। कथित तौर पर पिछले कुछ समय से रोहन को डेट कर रही हैं।

प्राइवेट जेट में बैठकर अवनीत कौर ने दिखाया अपना किलर अंदाज

22 साल की एक्ट्रेस अवनीज कौर बहुत तेजी से आगे बढ़ रही हैं। बतौर डांसर अपने करियर की शुरुआत करने वाली अवनीत कौर ने रानी मुखर्जी की फिल्म मर्दानी से बॉलीवुड डेब्यू किया था। अवनीत सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। हाल ही में अवनीत कौर ने एक प्राइवेट जेट से अपनी कुछ हॉट तस्वीरें शेयर की है। जिसके बाद फैंस उनसे पूछ रहे हैं कि क्या उन्होंने खुद का जेट खरीद लिया हैं? तस्वीरों में अवनीत व्हाइट कलर की जैकेट और पैंट पहने नजर आ रही हैं। इसके साथ उन्होंने ब्लैक कलर की ब्रालेट पहनी हुई हैं। अवनीत अपने कर्व्स और क्लीवेज फ्लॉन्ट करती दिख रही है। तस्वीरें में अवनीत कभी प्लेन के बाहर तो कभी प्लेन के अंदर बैठे पोज देती दिख रही हैं। अवनीत कौर सोशल मीडिया पर अक्सर अपनी हॉट एंट ग्लैमरस तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। इसके अलावा वह अपनी पर्सनल लाइफ की अपडेट भी साझा करती हैं। इंस्टाग्राम पर अवनीत के 32.3 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

तिहाड़ जेल से 6 लोगों संग बात-मुलाकात करेंगे केजरीवाल

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को 15 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। वह सोमवार शाम करीब 4 बजकर 10 मिनट पर तिहाड़ पहुंचे। अगले 14 दिन केजरीवाल जेल नंबर 2 में रहेंगे। अरविंद केजरीवाल जेल नंबर दो के एक सेल में अकेले रहेंगे जहां सीसटीवी से उनकी निगरानी होगी। इसके अलावा 24 घंटे स्पेशल क्यूआरटी टीम तैनात रहेगी। उधर केजरीवाल ने उन 6 लोगों के नाम दिए जिनसे वह रोज पांच मिनट कॉल कर सकते हैं। दरअसल एक विचाराधीन कैदी 10 लोगों के नाम दे सकते हैं। केजरीवाल ने अभी तक छह नाम दिए हैं। हालांकि इन 6 लोगों की लिस्ट में किसी भी कैबिनेट मंत्री का नाम शामिल नहीं है।

केजरीवाल ने जिन 6 लोगों के नाम दिए हैं उनमें उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल, बेटा पुलकित, बेटी हर्षिता, आप नेता संदीप पाठक, बिभव कुमार, एक करीबी शामिल है। केजरीवाल की ओर से अन्य 4 लोगों के नाम दिए जाने बाकी है। बताया जा रहा है कि इन 4 लोगों में उनकी लीगल टीम शामिल हो सकती है। इन सभी लोगों से हर रोज पांच मिनट फोन पर बात करने के अलावा केजरीवाल हफ्ते में दो बार वीडियो कॉल भी कर सकेंगे।

उधर अधिकारियों ने कहा कि केजरीवाल अपनी कोठरी में चौबीस घंटे सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में रहेंगे और वह टीवी देख सकते हैं और किताबें पढ़ सकते हैं। उन्होंने

कहा कि एशिया की सबसे बड़ी जेल में बंद होने वाले पहले मौजूदा मुख्यमंत्री केजरीवाल को जेल नंबर 2 में रखा गया है और अदालत के आदेश के अनुसार उन्हें घर का बना खाना दिया जाएगा।

केजरीवाल को जो किताबें दी जाएंगी उनमें हिंदू महाकाव्य रामायण और महाभारत और 'हाऊ प्राइममिनिस्टर्स डिसाइड' शामिल हैं। उन्हें एक धार्मिक लॉकेट पहनने की भी अनुमति होगी। केजरीवाल ने छह लोगों की सूची दी है जिनसे वह नियमानुसार मिलना चाहेंगे। इस सूची में उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल, उनके बेटे और बेटी, उनके निजी सचिव बिभव कुमार और आम आदमी पार्टी (आप) महासचिव (संगठन) संदीप पाठक शामिल हैं।

केजरीवाल को 21 मार्च को प्रवर्तन निदेशालय ने आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन मामले में गिरफ्तार किया था और वह 10 दिनों तक उसकी हिरासत में रहे। प्रवर्तन निदेशालय की हिरासत खत्म होने के बाद उन्हें विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा की अदालत में पेश किया गया। ईडी ने उनकी 15 दिन की न्यायिक हिरासत का अनुरोध करते हुए कहा कि उन्होंने बिल्कुल भी सहयोग नहीं किया।'' अदालत ने ईडी की याचिका मंजूर कर ली। जेल के एक अधिकारी ने कहा, उन्हें (केजरीवाल) तिहाड़ जेल लाया गया और उन्हें जेल नंबर 2 में रखा जाएगा। उनकी मेडिकल जांच की गई। बाद में उन्हें उस कोठरी में भेज दिया गया जहां वह अकेले रह रहे हैं। अधिकारी ने कहा कि केजरीवाल का 'शुगर लेवल' थोड़ा कम है और जेल चिकित्सकों की सलाह पर उन्हें दवाएं दी गई हैं।

इससे पहले, केजरीवाल को दो बार गिरफ्तार किया गया था और तिहाड़ जेल भेजा गया थाः पहली बार 2012 में अन्ना हजारे द्वारा चलाए गए भ्रष्टाचार रोधी आंदोलन के दौरान, जब उन्हें कई अन्य प्रदर्शनकारियों के साथ गिरफ्तार किया गया था और जेल नंबर 1 में रखा गया था; दूसरा 2014 में नितिन गडकरी द्वारा दायर मानहानि के मामले में जब उन्हें जेल नंबर 4 में रखा गया था। जेल नंबर 2 में दोषियों को रखा जाता है और वर्तमान में इस जेल में 600 दोषी और 50 विचाराधीन कैदी बंद हैं। सूत्रों ने बताया कि अंडरवर्ल्ड डॉन छोटा राजन, नीरज बवाना जैसे गैंगस्टर भी किसी समय इस जेल के उच्च सुरक्षा वाले वार्ड में थे। केजरीवाल की कोठरी में सीसीटीवी कैमरा लगा है और उन पर 24 घंटे नजर रखी जाएगी। जेल नियमावली के अनुसार, अन्य कैदियों की तरह उनकी कोठरी और वार्ड में एक टेलीविजन भी प्रदान किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

लोकसभा चुनाव के बाद आम लोगों को लगेगा झटका

नई दिल्ली, एजेंसी। चुनाव आयोग ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) से टोल शुल्क वृद्धि को टालने के लिए कहा है। आमतौर पर देश के ज्यादातर टोल राजमार्गों पर दरों को एक अप्रैल से बढ़ाया जाता है, लेकिन चुनाव आयोग ने कहा कि नई दरें लोकसभा चुनाव के बाद ही लागू होनी चाहिए। चुनाव आयोग ने इस संबंध में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री के एक पत्र के जवाब में यह बात कही। ऐसा माना जा रहा था कि टोल शुल्क में औसत पांच प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी। एनएचएआइ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि थोक मूल्य सूचकांक पर आधारित मुद्रास्फीति में बदलाव के आधार पर हर साल टोल शुल्क में परिवर्तन किया जाता है। देश में 18वीं लोकसभा के लिए चुनाव 19 अप्रैल को शुरू होंगे और एक जून तक चलेंगे। मतों की गिनती चार जून को होगी। आयोग ने कहा कि बिजली दर पर निर्णय के लिए आवश्यक प्रक्रिया राज्य विद्युत नियामक आयोग द्वारा जारी रखी जा सकती है। हालांकि, बिजली दर संबंधित राज्य में मतदान के पूरा होने पर यानी राज्य में मतदान की तारीख के बाद ही किया जाएगा।

दिव्येश दर्जी समेत अन्य की 433 करोड़ की संपत्ति कुर्क की

नई दिल्ली, एजेंसी। ईडी ने गुजरात में क्रिप्टो करेंसी घोटाले में संलिप्तता के लिए यूके स्थित क्रिप्टो कंपनी बिटकनेक्ट के एशिया प्रमुख दिव्येश दर्जी और अन्य के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 433 करोड़ रुपये की चल संपत्ति जब्त की है। इस घोटाले में लोगों को उनके निवेश पर भारी रिटर्न पाने का लालच देकर लाखों रुपये की हेराफेरी की गई। जब्त की गई संपत्तियों में क्रिप्टोकरेंसी, सोना और नकदी शामिल है। ईडी ने सोमवार को कहा कि संपत्ति पीएमएलए 2002 के प्रविधान के तहत कुर्क की गई। ईडी ने दिव्येश दर्जी, सतीश कुंभानी, शैलेश भट्ट और अन्य आरोपितों के खिलाफ आइपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत सीआइडी गुजरात द्वारा दर्ज की गई एफआइआर के आधार पर जांच शुरू की थी। ईडी ने कहा कि जब्त की गई संपत्तियां संबंधित व्यक्तियों द्वारा उनकी वैध आय से हासिल नहीं की गई थीं।

पायलटों की कमी के कारण विस्तारा की उड़ानें हुईं कम

नई दिल्ली, एजेंसी। विस्तारा एयरलाइंस संकट का सामना कर रही है। पायलटों की अनुपलब्धता के कारण अस्थायी रूप से उड़ान संचालन कम कर दी है। सोमवार को लगभग 50 उड़ानें रद कर दी गईं। सूत्रों के अनुसार, मंगलवार को अधिक संख्या में उड़ानें रद होने की संभावना है और यह संख्या 70 तक जा सकती है। विस्तारा के एक प्रवक्ता ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से पायलटों की अनुपलब्धता सहित विभिन्न कारणों से एयरलाइन को बड़ी संख्या में उड़ानें रद करनी पड़ीं और देरी हुई। प्रवक्ता ने कहा कि हमने अपने नेटवर्क में पर्याप्त कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के लिए उड़ानों की संख्या को अस्थायी रूप से कम करने का फैसला किया है। प्रवक्ता ने आगे कहा कि अधिक संख्या में ग्राहकों को समायोजित करने के लिए चुनिंदा घरेलू मार्गों पर अपने बी787-9 ड्रीमलाइनर और ए 321 नियो जैसे बड़े विमान भी तैनात किए हैं। विस्तारा एयरलाइंस ने कहा कि वे उड़ानों की संख्या कम करने से प्रभावित ग्राहकों को वैकल्पिक उड़ान या रिफंड भी दे रहे हैं। एयरलाइंस ने ग्राहकों को हुई असुविधा के लिए माफी भी मांगी है। उन्होंने कहा कि हम स्थिति को सामान्य करने की दिशा में काम कर रहे हैं और जल्द ही अपनी नियमित क्षमता का संचालन फिर से शुरू करेंगे।

चीन की सैन्य कंपनी अमेरिका में खोल रही अपनी शाखा, अमेरिकी सांसदों ने जताई चिंता

वॉशिंगटन, एजेंसी। चीन की सैन्य कंपनी बीजीआई, अमेरिका के मैसाच्युसेट्स और केंटुकी में अपनी शाखाएं खोलने की कोशिश कर रही है। इस पर अमेरिकी सांसदों ने गहरी चिंता जताई है और आरोप लगाया है कि नियामक जांच से बचने के लिए चीन की सैन्य कंपनी ऐसा कर रही है। अमेरिकी सांसदों ने इसे लेकर रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन को पत्र लिखा है। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी से प्रतिस्पर्धा पर नजर रखने वाली अमेरिकी संसद की समिति के अध्यक्ष माइक गैलेघर और समिति के सदस्य राजा कृष्णमूर्ति ने यह पत्र लिखा है। चीन की बायोटेक कंपनियों पर नजर रखने की मांग इस पत्र में अमेरिकी सांसदों ने अमेरिका में काम कर रही अन्य चीनी बायोटेक कंपनियों को लेकर भी चिंता जताई। सांसदों का दावा है कि अमेरिका में काम कर रहीं चीन की ये बायोटेक कंपनियां चीनी सेना और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना के उद्देश्यों के लिए ही काम कर रही हैं। अपील की और चीन की बायोटेक (जैव प्रौद्योगिकी) कंपनियों पर नजर रखने की भी मांग की है। अमेरिकी सांसदों माइक गैलेघर और राजा कृष्णमूर्ति ने पत्र में मांग की है कि पेंटागन अमेरिका में काम कर रहीं एमजीआई ग्रुप, कंप्लीट जीनोमिक्स, इनोमिक्स, स्टोमिक्स, ओरिजनसेल, वाजमे बायोटेक और एक्सबायो को चीनी सैन्य कंपनी के रूप में मान्यता दे।

तेज हवाओं ने वायु प्रदूषण से दी राहत, 100 अंक सुधरा एक्यूआई

नई दिल्ली, एजेंसी।
पहाड़ी इलाके में हुई बर्फबारी का दिल्ली पर असर दिख रहा है। तेज हवाओं से जहां मौसम में ठंडक का अहसास हो रहा है वहीं इसने प्रदूषण से भी राहत दिलाई है। सोमवार को तेज हवाएं चलीं जिससे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) में काफी सुधार हुआ। सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के नेशनल बुलेटिन के अनुसार, 24 घंटे का क्यूआई सोमवार शाम 4 बजे 133 (मध्यम) दर्ज किया गया, जो रविवार के 242 (खराब) से 100 अंक कम था।

दिल्ली का न्यूनतम तापमान कुछ डिग्री गिरकर 18.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। एक दिन पहले तापमान 21.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, अधिकतम तापमान भी रविवार के अधिकतम 35.2 डिग्री सेल्सियस से घटकर 31.6 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया।

आईएमडी वैज्ञानिक कुलदीप श्रीवास्तव ने कहा, तेज हवाओं की स्पीड ने तापमान को प्रभावित किया है। तापमान में थोड़ी गिरावट आई है। ये हवाएं अधिकतर उत्तर-पश्चिम दिशा से आ रही हैं और मंगलवार को भी जारी रहेंगी। सोमवार को हवा की औसत गति 45 किमी प्रति घंटा थी। सोमवार को हवाओं की औसत गति 45 किमी प्रति घंटा थी। आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार, पूरे हफ्ते आसमान में बादल छाए रहेंगे और मंगलवार तक 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएँ चल सकती हैं। मार्च में कुछ दिनों को छोड़ दिया जाए तो आमतौर पर पूरा महीना लोगों ने साफ हवा में सांस ली। हालांकि महीने के आखिरी दिन एक्यूआई गिरकर 189 (मध्यम) श्रेणी में दर्ज किया गया। एयर क्वालिटी अर्ली वार्निंग सिस्टम फॉर दिल्ली (एक्यूईडब्ल्यूएस) के अनुसार, अगले कुछ दिनों तक एक्यूआई मध्यम श्रेणी में रहने की उम्मीद है। सोमवार को एक्यूईडब्ल्यूएस बुलेटिन में कहा गया, 2 अप्रैल से 4 अप्रैल तक हवा की गुणवत्ता मध्यम श्रेणी में रहने की संभावना है।

चुनावों के दौरान परेशान करेगी अत्याधिक गर्मी, पृथ्वी विज्ञान मंत्री किरण रिजिजू ने खुद दी जानकारी

मौसम विभाग का अनुमान, अप्रैल-जून तक सामान्य से अधिक रहेगा तापमान

नई दिल्ली, एजेंसी।
मौसम विभाग ने सोमवार को बताया कि देश में इस वर्ष अप्रैल से जून की अवधि में अत्याधिक गर्मी पड़ने का अनुमान है और मध्य व पश्चिमी प्रायद्वीपीय हिस्सा इससे सबसे ज्यादा प्रभावित होगा। इसी अवधि में देश में आम चुनाव भी होने जा रहे हैं।

पृथ्वी विज्ञान मंत्री किरण रिजिजू ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, यह हम सभी के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण होने जा रहा है। चूंकि हम दुनिया के सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश हैं और मौसम की कठिन स्थितियों का सामना करते हैं, इसलिए देश के लिए इसकी अग्रिम तैयारी करने नितांत जरूरी हो जाता है। महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने कहा कि आम चुनाव के दौरान बाहरी गतिविधियों में संभावित बढ़ोतरी से आम लोगों के लिए गर्मी से खतरा बढ़ सकता है। बाहर निकलने की वजह से मतदाताओं और चुनाव कर्मियों के लिए भी अत्याधिक गर्मी से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा

बढ़ सकता है। महापात्र ने कहा कि अप्रैल से जून की अवधि में देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से अधिक अधिकतम तापमान रहने का अनुमान है और इसकी सबसे अधिक संभावना मध्य एवं पश्चिमी प्रायद्वीपीय भारत में है। वहीं, पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र के कुछ हिस्सों, पूर्वोत्तर राज्यों एवं उत्तरी ओडिशा में अधिकतम तापमान सामान्य और सामान्य से कम रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के महानिदेशक ने कहा कि अप्रैल-जून के दौरान मैदानी इलाकों के अधिकांश हिस्सों में लू के दिन सामान्य से अधिक रहने का अनुमान है। देश के विभिन्न हिस्सों में सामान्य चार से आठ दिनों की तुलना में 10 से 20 दिन लू चलने की आशंका है। उन्होंने कहा कि गुजरात, मध्य महाराष्ट्र, उत्तर कर्नाटक, राजस्थान, मध्य प्रदेश, ओडिशा, उत्तर छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश में अत्याधिक गर्मी का सबसे अधिक प्रभाव पड़ने की संभावना है। महापात्र ने कहा कि अल नीनो की स्थिति (मध्य प्रशांत महासागर में समय समय पर पानी का गर्म होना) कमजोर हो रही है, लेकिन यह अप्रैल व मई के दौरान जारी रहेगी। विभाग ने यह भी कहा कि अप्रैल में देश में सामान्य वर्षा (लंबी अवधि के औसत 39.2 मिमी का 88 से 112 प्रतिशत) होने की सबसे अधिक संभावना है। मौसम विभाग ने कहा कि अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी का गेहूं की फसल पर कोई असर नहीं पड़ेगा। विभाग का कहना है कि गेहूं की कटाई के दौरान उत्तर भारत के कई हिस्सों और पूर्वी व पश्चिमी तटों पर अधिकतम तापमान सामान्य से दो-तीन डिग्री सेल्सियस ऊपर रहने की संभावना है और देश के बाकी हिस्सों में सामान्य के आसपास रहने का अनुमान है।

इजरायल में अलजजीरा चैनल हुआ बंद

येरुशलम, एजेंसी। हमास आतंकियों के साथ भीषण होते युद्ध के बीच इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपने देश में कतर के न्यूज चैनल अल जजीरा के प्रसारण पर रोक लगा दी है। नेतन्याहू की तरफ से बयान में कहा गया कि अल जजीरा ने इजरायल के खिलाफ रिपोर्टिंग की है। नेतन्याहू ने चैनल को आतंकी चैनल कहकर भी संबोधित किया। चैनल को बंद कराने के लिए रात को संसद बुलाई गई। जहां कानून पारित करने के बाद आतंकी चैनल पर तत्काल रोक लगा दी गई। इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने अल जजीरा पर इजरायली सुरक्षा को नुकसान पहुंचाने, सात अक्टूबर की रोज हमास के आतंकी हमलों में उसका साथ देने और इजरायल में हिंसा भड़काने समेत कई गंभीर आरोप लगाए हैं। नेतन्याहू ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''आतंकी चैनल अल जजीरा अब इजरायल में प्रसारित नहीं होगा। चैनल की गतिविधियों को रोकने के लिए नए कानून के तहत तुरंत कार्रवाई करना मेरा संकल्प है।'' इस संबंध में न तो इजरायल में स्टेशन के मुख्य कार्यालय और न ही दोहा में कतरी सरकार ने तुरंत टिप्पणी की है। उधर, अल जजीरा ने आरोप लगाया है कि इजरायल पहले भी उसके ऑफिसों और कर्मियों को निशाना बनाता रहा है।

इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को बड़ी राहत, तोशखाना केस में 14 साल की सजा पर रोक

इस्लामाबाद, एजेंसी।
पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को सोमवार को बड़ी राहत मिली। इस्लामाबाद हाई कोर्ट ने तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में उन्हें और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को मिली 14 साल की सजा सस्पेंड कर दी। देश में आम चुनाव से कुछ दिन पहले तोशाखाना से मिले सरकारी उपहारों में भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे। इसे लेकर जवाबदेही अदालत ने 31 जनवरी को दोनों को 14-14 साल जेल की सजा सुनाई थी। दोनों ने सजा को इस्लामाबाद उच्च न्यायालय में चुनौती दी, जहां चीफ जस्टिस आमिर फारूक के नेतृत्व वाली 2 सदस्यीय पीठ ने मामले की सुनवाई की। सोमवार को इस्लामाबाद हाई कोर्ट ने मामले में दंपति की सजा को निलंबित करके और उन्हें जमानत देकर अस्थाई राहत दी। हालांकि, अदालत ने घोषणा की कि दोषसिद्धि के खिलाफ उनकी अपील पर सुनवाई अगले महीने ईद की छुट्टियों के बाद की जाएगी। ऐसा हो सकता है कि खान को रिहा नहीं किया जाए क्योंकि उन्हें अन्य मामलों में दोषी ठहराया गया है। उनमें आरोपों से मुक्त होने तक उन्हें रिहा नहीं किया जा सकता। इसी तरह, बुशरा को भी एक अन्य मामले में दोषी ठहराया गया है और हो सकता है कि उनकी सजा निलंबित होने के बाद भी

उन्हें रिहा नहीं किया जाए। महंगे सरकारी उपहारों को अपने पास रखने का आरोप तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में 71 वर्षीय खान पर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के तौर पर अपने कार्यकाल के दौरान मिले महंगे सरकारी उपहारों को अपने पास रखने का आरोप है। तोशाखाना संबंधी नियमों के तहत सरकारी अधिकारी कीमत चुकाकर उपहार रख सकते हैं, लेकिन पहले उपहार तोशाखाना में जमा किया जाना चाहिए। खान और उनकी पत्नी या तो उपहार जमा करने में विफल रहे या कथित तौर पर अपने अधिकार का उपयोग करके इसे कम कीमत पर हासिल किया। 30 जनवरी को सिफर मामले में 10 साल की सजा सुनाए जाने के एक दिन बाद तोशाखाना मामले में खान को दोषी ठहराया गया था। इससे पहले इमरान को अगस्त 2023 में तोशाखाना के एक अलग मामले में भी दोषी ठहराया गया था।

पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने आईएचसी के जजों के पत्र पर लिया स्वतः संज्ञान

इस्लामाबाद, एजेंसी।
पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) के छह मौजूदा न्यायाधीशों के एक पत्र से संबंधित मामले पर स्वत- संज्ञान लिया है, जिसमें देश की खुफिया एजेंसियों पर परेशान करने, धमकी देने, ब्लैकमेल करने और न्यायिक मामले तथा निर्णय लेने में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाया गया है। देश भर की कानूनी बिरादरी द्वारा पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश पर दबाव डालने के बाद सुप्रीम कोर्ट एक्शन में आया है। सुप्रीम कोर्ट का फैसला कानूनी बिरादरी के कम से कम 300 सदस्यों के आईएचसी के छह न्यायाधीशों के समर्थन में आने की घोषणा के बाद आया है। कानूनी बिरादरी ने उच्चतम न्यायालय से मामले पर तत्काल संज्ञान लेने का आह्वान

किया था क्योंकि यह देश की खुफिया एजेंसियों द्वारा न्यायिक मामलों में हस्तक्षेप से संबंधित है। कानूनी बिरादरी ने कहा कि इस तरह के हस्तक्षेप संविधान के अनुच्छेद 184(3) के तहत स्पष्ट उल्लंघन हैं। कानूनी बिरादरी ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश तसद्दक जिलानी के तहत एक सदस्यीय जांच आयोग के गठन को भी खारिज कर दिया, और जोर देकर कहा कि मामले की गंभीरता और संवेदनशीलता अधिक महत्वपूर्ण है तथा पूर्व न्यायाधीश की अध्यक्षता वाले आयोग की बजाय मुख्य न्यायाधीश द्वारा स्वत संज्ञान लेने की आवश्यकता है। पत्र में कहा गया है, मामले की संघीय सरकार के दायरे में की गई कोई भी जांच उन सिद्धांतों का उल्लंघन करती है जिनकी जांच रक्षा के लिए यह जांच की जानी है। हम जोर देकर कहना चाहते हैं कि इस तरह के जांच आयोग और इसकी कार्यवाही कदाचित विश्वसनीय नहीं होगी। हम इस्लामाबाद हाई कोर्ट बार एसोसिएशन, इस्लामाबाद बार एसोसिएशन, सिंध हाई कोर्ट बार एसोसिएशन, पाकिस्तान बार काउंसिल, खैबर पख्तूनख्वा बार काउंसिल और बलूचिस्तान बार काउंसिल द्वारा पारित प्रस्तावों का उस हद तक समर्थन करते हैं, जहां तक वे न्यायपालिका की स्वतंत्रता के सिद्धांत को बनाए रखने का संकल्प लेते हैं। हम इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के छह न्यायाधीशों के साथ एकजुटता व्यक्त करते हैं, उनकी साहसी कार्रवाई की सराहना करते हैं और ऐसे सिद्धांतों को बनाए रखने के लिए उचित कार्रवाई की मांग करते हैं। छह वर्तमान न्यायाधीशों के पत्र में प्रत्येक न्यायाधीश द्वारा साझा किए गए चौंकाने वाले विवरण हैं। इसमें बताया गया है कि कैसे उन्हें उत्पीड़न, धमकी, यातना और अवैध निगरानी का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा खुफिया एजेंसियों के संचालक सीधे संपर्क कर न्यायिक मामलों में हस्तक्षेप भी करते हैं। जाहिर तौर पर, ऐसा लगता है कि न्यायपालिका सैन्य प्रतिष्ठान के शक्तिशाली प्रभाव के सामने झुकने को तैयार नहीं है और कानूनी तौर पर लड़ने की तैयारी में है।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रकः- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय

कार्यालय पताः- 435 ऑर्बिट मॉल विजय नगर, इंदौर मध्यप्रदेश मोः- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार,आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नहीं है।